संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 291
पृष्ठ 8
गुरुवार
11 जुलाई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मानसून में भूलकर भी इन...

विचार- उत्तर प्रदेश भाजपा में क्यों नहीं उभर..

खेल- राहुल द्रविड़ ने साथियों के लिए किए...

उन्नाव में बस ट्रक में टक्कर, 18 मरे 19 घायल

उन्नाव, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में उन्नाव जिले के बेहटा मुजावर क्षेत्र में बुधवार भोर ट्रक और प्राइवेट बस की भिड़ंत में 18 लोगों की मृत्यु हो गयी जबकि 19 अन्य घायल हो गये। जिलाधिकारी गौरांठी राठी ने बताया कि आज सुबह करीब सवा पांच बजे आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर तेज रफ्तार निजी बस और दूध के टैंकर में टक्कर हो गयी। इस हादसे में 18 लोगों की मृत्यु हो गयी है जबकि 19 अन्य गंभीर रुप से घायल हैं जिनका इलाज चल रहा है। उन्होने बताया कि प्रथम दृष्टया बस की रफ्तार को हादसे का कारक बताया गया है हालांकि हादसे के कारणों का पता लगाया जायेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होने एक्स पर पोस्ट किया " जनपद उन्नाव में सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। जिला

प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।" पुलिस के अनुसार करीब 05. 15 बजे थाना बेहटा मुजावर क्षेत्रांतर्गत आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस वे किमी संख्या 247 पर यह हादसा उस समय हुआ जब बिहार से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस ने पीछे से दूध से भरे टैंकर को टक्कर मार दी जिसमे 18 लोगो की मृत्यु हो गयी । घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सभी घायलों को बाहर निकाल कर उपचार के लिये सीएचसी बांगरमऊ में भर्ती करवाया गया है एवं शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेजा। पुलिस ने इस संबंध में हेल्पलाइन नंबर जारी किये हैं। बस यात्रियों के परिजन 0515–2970767, 9651432703, 9454417447, 8887713617 और 8081211289 पर संपर्क कर सकते हैं। मृतकों में दो की पहचान दीपक कुमार (27) थाना शिवहर बिहार और शिव दयाल (28) निवासी मकसूदपुर थाना शिवहर बिहार के तौर पर की गयी है जबक घायलों में दिलशाद (22) निवासी थाना मोदीपुरम जनपद मेरठ, बीटू (9) थाना भादूर जनपद शिवहर, बिहार,रजनीश निवासी थाना श्यामपुर मटहा जनपद शिवहर बिहार,लालबाबू दास निवासी थाना हिरागा जनपद शिवहर, बिहार, रामप्रवेश कुमार , भरत भूषण कुमार मो सद्दाम,निवासी गमरोली थाना शिवहर, बिहार, शबाना ,चाँदनी निवासी शिवोली, मुलहारी, मो शकील निवासी बस्ती ख्वाजा कमला मार्केट दिल्ली, मुन्नी खातून , तौफीक आलम,साहिल निवासी डोल्डी मोदीनगर मेरठ, कुममामान निवासी नबीकरीब थाना पेनाटा दिल्ली, सलीम थाना पिपरा सिटी जनपद मोतीहारी बिहार,सनामा निवासी भजनपुरा दिल्ली,राज ठिवसा प्रसाद निवासी जमुआ थाना बगिनिया जनपद सीतामढ़ी, उरसेद निवासी चांदनी चौक दिल्ली और संतोष कुमार थाना पिपरानी जिला शिवहर बिहार शामिल हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी बांगरमऊ अरविंद कुमार ने बताया कि आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भोर करीब पांच बजे यह हादसा उस समय हुआ जब माइल स्टोन 247 पर जोगीकोट गांव के पास एक दूध के टैंकर को ओवरटेक करने के प्रयास में निजी बस ने टक्कर मार दी। टक्कर से बस बीच से फट गई है, और पलट गई। साथ ही दूध का टैंकर भी पलट गया। हादसे की सूचना पर बांगरमऊ कोतवाली पुलिस और यूपीडा टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू करके बस में फंसे लोगों का बाहर निकलवाकर सीएचसी भेजा गया। हादसे में बस में सवार रहे एक बच्चे सहित 18 लोगों की मौत हो गई। वहीं 19 लोग घायल हुए हैं। जिन्हें प्रशासन ने जिला अस्पताल भेजा है। बस में सवार यात्रियों में चीख पुकार सुन कर राहगीरों ने घटना की जानकारी थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी बांगरमऊ अरविंद कुमार इंस्पेक्टर राजकुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने यूपीडा के साथ रेस्क्यू कराकर घायलों को निकलवाया और उपचार के लिए सीएचसी बांगरमऊ भेजा।

41 साल बाद वियना में भारतीय पीएम, द्विपक्षीय साझेदारी के व्यापक आयामों पर चर्चा

वियना, एजेंसी। नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रिया के बीच दोस्ती आने वाले समय में और भी मजबूत होगी क्योंकि वियना में उनका रेड कार्पेट स्वागत किया गया, जो 40 से अधिक वर्षों में किसी भारतीय प्रधान मंत्री की पहली यात्रा थी। रूस की दो दिवसीय यात्रा के बाद वियना हवाई अड्डे पर पहुंचे मोदी का ऑस्ट्रिया के विदेश मंत्री अलेक्जेंडर शालेनबर्ग ने स्वागत किया। बाद में प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया गया जब उन्होंने बुधवार को अपनी आधिकारिक वार्ता से पहले एक निजी रात्रिभोज के लिए ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने एक–दूसरे को गले लगाया और ऑस्ट्रियाई चांसलर को पीएम मोदी के साथ सेल्फी लेते हुए भी देखा गया। प्रधानमंत्री ने गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए ऑस्ट्रियाई चांसलर का आभार व्यक्त किया और कहा कि वह कल हमारे बीच होने वाली वार्ताओं को लेकर उत्सुक

हैं। हमारे देश पूरी दुनिया की भलाई के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। मोदी ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा कि चांसलर कार्ल नेहमर, वियना में आपसे मिलकर खुशी हुई। भारत–ऑस्ट्रिया के बीच मजबूत मित्रता है जो आने वाले समय में और प्रगाढ़ होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर से मुलाकात करते हुए कहा कि भारत और ऑस्ट्रिया के बीच प्रगाढ़ मित्रता है जो आने वाले वक्त में और मजबूत होगी। दोनों नेताओं के बीच आज आधिकारिक तौर पर बातचीत होगी जिसमें दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय साझेदारी के व्यापक आयामों पर चर्चा होगी। पीएम ने भारतवंशी लोगों का हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार किया। ऑर्केस्ट्रा का नेतृत्व करने वाले विजय उपाध्याय ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश के लखनऊ के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि इस ऑर्केस्ट्रा में कुल 50 लोग शामिल थे।

दस वर्षों में लोकोपायलट के काम की परिस्थितियां सुधरीं : वैष्णव

नयी दिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोको पायलटों के बारे में विपक्ष के नेता राहुल गांधी एवं कांग्रेस पार्टी द्वारा कही जा रही बातों को 'गलत' और 'निराधार' करार दिया है और कहा है कि बीते दस वर्षों में लोको पायलट सहित रनिंग स्टाफ के कल्याण के लिए अनेक कदम उठाये गये हैं और इससे उनकी काम

करने की परिस्थितियां बेहतर हुईं हैं। श्री वैष्णव ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में यह लिखा और यह भी बताया कि 34 हजार रनिंग स्टाफ की भर्ती हो चुकी हैं जबकि 18000 अन्य की भर्ती की जा रही है। रेल मंत्री ने कहा, "लोको पायलट रेलवे परिवार के महत्वपूर्ण सदस्य हैं।

तेलंगाना के हॉस्टल में नाश्ते में परोसी गयी छिपकली! खाना खाकर 35 छात्र हुए बीमार

मेडक, एजेंसी। मंगलवार को तेलंगाना के मेडक जिले में सरकारी छात्रावास में उन्हें परोसे गए नाश्ते में छिपकली मिलने का आरोप लगाने के बाद कम से कम 35 छात्र बीमार हो गए।रामायपेट के टीजी मॉडल स्कूल के प्रभावित छात्रों को भोजन करने के बाद उल्टी और दस्त जैसे लक्षण दिखाई दिए। मेडक जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) ने कहा कि कथित लापरवाही के लिए एक रसोइया और एक सहायक रसोइया को बर्खास्त कर दिया गया, जबकि छात्रावास के केयरटेकर और विशेष अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। स्कूल के अधिकारियों ने तुरंत चिकित्सा सहायता प्रदान की और छात्रों को पास के अस्पताल ले गए। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चला है कि तैयारी के दौरान भोजन में गलती से छिपकली गिर गई होगी। स्वास्थ्य अधिकारियों ने संदूषण के कारण की पुष्टि करने के लिए विश्लेषण के लिए नमूने लिए। इस मामले की जांच करने वाले डीईओ ने जिला कलेक्टर सहित उच्च अधिकारियों को सौंपी गई रिपोर्ट में कहा कि जब छात्रों को उपमा परोसा गया, तो उनमें से एक छात्र ने नाश्ते में षछिपकलीष देखी। अभिभावकों और निवासियों ने चिंता व्यक्त की और स्कूल की रसोई में सख्त स्वच्छता उपायों की मांग की।

मुख्य आरोपी मिहिर शाह पर एक्शन, 16 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेजा गया

मुंबई, एजेंसी। मुंबई बीएमडब्ल्यू हिट–एंड–रन मामले में प्राथमिक संदिग्ध मिहिर शाह को बुधवार को एक स्थानीय अदालत ने सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। शिव सेना नेता राजेश शाह के बेटे शाह को लगभग 60 घंटे तक चली राज्यव्यापी तलाशी के बाद मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। इस बीच, महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि विपक्ष सिर्फ आरोप लगाता है, उनके पास आरोप लगाने के अलावा और कुछ नहीं है। मैंने निर्देश दिया है कि हिट एंड रन मामले में दोषी कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। सख्त कार्रवाई की जाएगी। आरोपी राजेश शाह को पार्टी

से सस्पेंड करने पर उनका कहना है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और पीड़िता का साथ देना प्राथमिकता होनी चाहिए। शाह 7 जुलाई से गिरफ्तारी से बच रहे थे, जब उन्होंने कथित तौर पर दक्षिण–मध्य मुंबई के वर्ली इलाके में अपनी बीएमडब्ल्यू से एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी थी।

मुख्यमंत्री ने 7720 लेखपालों को सौंपे नियुक्ति पत्र

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज लोकभवन में मिशन रोजगार कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित 7720 लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। सीएम योगी ने नवचयनित लेखपालों को उनके कर्तव्यों के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि ये नियुक्ति प्रक्रिया पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई है। कोई भेदभाव नहीं हुआ, कोई सिफारिश की आवश्यकता नहीं पड़ी। आपकी जिम्मेदारी बनती है कि बिना किसी सिफारिश के प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के साथ ही एक गरीब की ईज ऑफ लिविंग के लिए आपको अपने स्तर पर विशेष कार्य करना है। एक गरीब के जीवन के लिए आपकी ऊर्जा और प्रतिभा लगे, निवेश की संभावनाओं में आपका सकारात्मक सहयोग मिले, जाति, निवास, आय प्रमाणपत्र के लिए जो समय सीमा तय की गई है उसके अनुसार आम जनमानस और युवाओं को सहयोग प्राप्त हो। वरासत, नामांतरण और पैमाइश से जुड़ी कार्यवाही समय

से पूरी हों। लोगों के बीच मे अच्छी छवि बने और लेखपाल के नाम से लोग घबराएं नहीं। सीएम ने नवचयनित लेखपालों से जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने की अपील की। आपका जनता के बीच नजदीकी जुड़ाव होता है। किसी को पट्टे की जमीन देनी है, किसी को वरासत का कार्य करना है, किसी के नामांतरण का कार्य करना है, कृषि को अकृषि घोषित करते हुए निवेश की संभावना को आगे बढ़ाना है, पैमाइश की कार्यवाही को बढ़ाना है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एक फुट, दो फुट के लिए हिंसक घटनाएं होती हैं। अगर हम समय पर पैमाइश करके सीमांकन कर लें तो कोई विवाद नहीं होगा। कोई दबंग भूमाफिया जबर्दस्ती सरकारी या गरीब की जमीन पर कब्जा कर रहा है तो वहां एंटी भूमाफिया टास्क के साथ जाकर हम बड़ी कार्रवाई करें। कहीं पर निवेश के लिए कोई प्रस्ताव आया है तो उसको समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ा दें। बाढ़ जैसी आपदा में समय पर लोगों को राहत दे दें। जल्द 4700 नई नियुक्तियां पूरी होंगी। सीएम योगी ने कहा कि इस नियुक्ति प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने के लिए 2022 में राजस्व विभाग ने अपना अधियाचन अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को दिया था। चयन की प्रक्रिया पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ आयोग ने संपन्न की, लेकिन कुछ लोगों की फितरत होती है कि हर अच्छे कार्य में रोड़ा अटकाया जाए। नवचयनित लेखपालों के नियुक्ति

- **ऐसा काम करें जिससे बने अच्छी छवि : योगी**
- **समय से पैमाइश कर दें तो नही होंगे विवाद**

पत्र वितरण में भी रोड़े अटकाने के कार्य हुए, लेकिन राजस्व विभाग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग इसके लिए लड़ा और अंततः सुप्रीम कोर्ट से भी फैसला अपने पक्ष में करके आज 7720 नवचयनित युवाओं को उनकी आकांक्षा के अनुरूप ये नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं।

मुर्मु ने किया डूरंड कप टूर्नामेंट की ट्रॉफियों का अनावरण

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक

केंद्र में आयोजित समारोह में डूरंड कप, प्रेसिडेंट्स कप और शिमला ट्रॉफियों का अनावरण किया। इस अवसर पर श्रीमती मुर्मु ने डूरंड कप टूर्नामेंट 2024 में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि फुटबॉल विश्व के सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक है। जब पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी हजारों प्रशंसकों के सामने खेलते हैं, तो खिलाड़ियों और दर्शकों का उत्साह कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वे जीतें या हारें खेल में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए और उन्हें दूसरी टीमों का सम्मान करना चाहिए।

THE NAND KISHORE GROUP

NAND KISHORE SINGH P.G. COLLEGE
Affiliated to: Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj
Dhanuha, Chaka, Naini, Prayagraj

Department: M.Ed.

Post: Principal/HOD: *Eligibility: M.A. in Education/ M.Ed. with M.A/ M.Sc. in School Subject and Ph.D.
Experience: Minimum 10 years with at least 3 years' experience in M.Ed. teaching or in M.A. in Education.
No. of Post (1+1) : Professor & Associate Professor: *Eligibility: M.A. in Education/ M.Ed. with M.A./M.Sc. in School and NET/SET/Ph.D.
Experience: Minimum 8 years with at least 3 years' experience in M.Ed. teaching.
No. of Post (3) : Assistant Professor: *Eligibility: M.A in Education/ M.Ed. with M.A./M.Sc. in School subject and NET/SET/Ph.D.

Department: B.Ed.

No. of Post (15) : Assistant Professor: *Subjects: Life Science, Physical Science, Mathematics, Hindi, Fine Arts, Computer Application, Economics.
Post: Pedagogy: *M.Ed. with M.A/M.Sc. in School Subject with at least 55% and NET/SET/Ph.D.
Post: Foundation Subject: *M.Ed./B.Ed. with M.A. in Education with at least 55% and NET/SET/Ph.D.

Salary as per UGC/UP Govt./NCTE/University norms

Apply to nkpgcollege@gmail.com within 7 days with supporting documents.
Contact at: 9565-81-7777

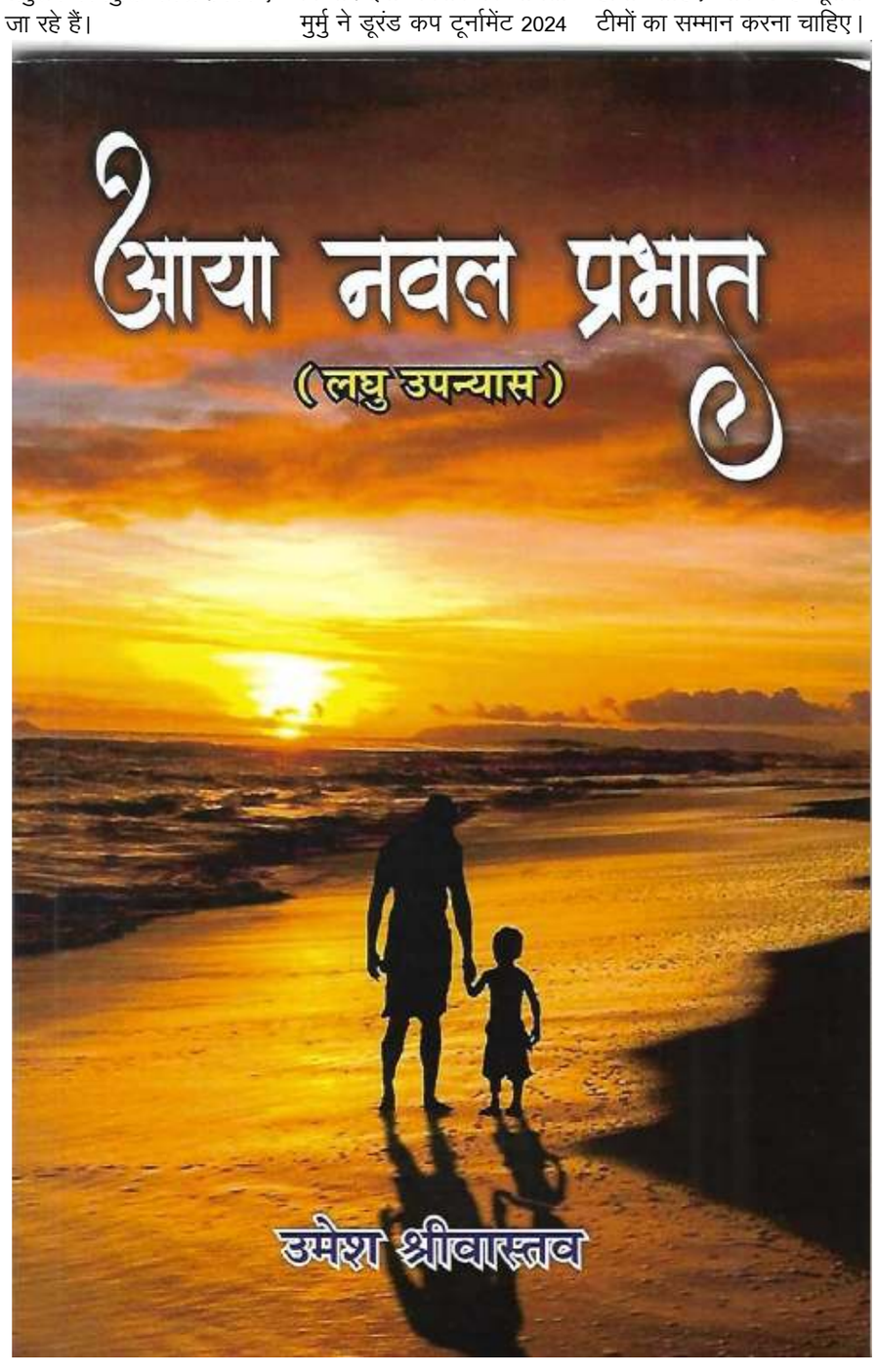

शौहर दूसरी औरत रखे है, रात में घर नहीं आता

प्रयागराज में महिला ने पति और ससुराल वालों पर दर्ज कराया केस, कहा– मुझे भूखा रखा जा रहा

प्रयागराज। प्रयागराज के कीडगंज थाने में एक महिला ने अपने पति, सास, ननद, देवरों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। महिला का कहना है कि पति साथ नहीं रहता। उसने किसी दूसरी औरत को रखा है। वह रात में घर नहीं आता। ससुराल वाले मेरी हत्या की साजिश रच रहे हैं। देवर और ननद मारपीट कर घर से निकालना चाहते हैं। महिला का कहना है कि उसे कई बार बाल पकड़ कर जमीन पर पटका गया। घर में भूखा रखा जा रहा है ताकि घर छोड़कर भाग जाऊं। कीडगंज पुलिस ने महिला की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया है। कीडगंज की रहने वाली नसरीन बानो पत्नी मो. शकील ने सास जैनब, देवरानी रोजी, देवर सईद, शमीम, नसीम, वसीम, ताजिब, ननद शबीना, शबाना, शबनम, पति मो. शकील समेत पूरे ससुराल वालों पर मारपीट, उत्पीड़न की धाराओं में केस दर्ज कराया है। महिला का कहना है कि पति दूसरी औरत से शादी करना चाहता है। उसके परिवार वाले उसका साथ दे रहे हैं। पति घर नहीं आता ताकि मैं भाग जाऊं। ससुराल वाले भी मारपीट कर भगाना चाहते हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ससुराल वालों को बयान दर्ज करने के लिए बुलाया है।

मुक्त विवि के बीएड प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र 2024– 25 की बीएड एवं बीएड स्पेशल एजुकेशन की प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड हो गया है। बीएड प्रवेश परीक्षा में प्रयागराज के अंशु सिंह प्रथम स्थान पर रहे जबकि बीएड स्पेशल एजुकेशन में महोबा के राम नारायण ने मेरिट सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंशु सिंह प्रयागराज में रहकर सिविल सेवा की तैयारी कर रहे हैं। प्रवेश परीक्षा 29 जून को प्रदेश के 10 जिलों के 13 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय ने पूर्व निर्धारित अवधि में परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया। इसके लिए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रवेश परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के प्रति आभार व्यक्त किया।

काउंसिलिंग की तारीख जल्द घोषित करेगा विश्वविद्यालय

जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि ने बताया कि अभ्यर्थियों की सहूलियत का ध्यान रखते हुए प्रवेश परीक्षा प्रदेश के आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी एवं प्रयागराज में आयोजित की गयी थी। उन्होंने बताया कि जल्द ही यूनिवर्सिटी प्रवेश के लिए काउंसिलिंग की तिथि निर्धारित करेगा। जिसकी सूचना सफल अभ्यर्थियों को प्रेषित की जाएगी।

प्रयागराज में डिवाइडर से टकराई स्कूटी

हादसे में एक महिला की हुई मौत, बेटी घायल

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज में अज्ञात वाहन की टक्कर लग जाने से स्कूटी सवार मां–बेटी डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में महिला की मौत हो गई। वहीं बेटी का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। उतरांव थाना क्षेत्र के कटहरा गांव निवासी संतोष कुमार सिंह की पत्नी बबीता सिंह (35) अपनी बेटी वैशाली के साथ स्कूटी से बासूपुर की तरफ जा रही थी। कोतवाली के पास अज्ञात वाहन ने स्कूटी में टक्कर मार दिया। बेकाबू हुई स्कूटी डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बबीता और उसकी बेटी वैशाली गंभीर रूप से घायल हो गई। जिला अस्पताल ले जाने के दौरान महिला की रास्ते में मौत हो गई थी। वैशाली की हालत नाजुक बनी हुई है।

राजकीय कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 536 पदों पर होगी भर्ती, यूपीपीएससी को भेजा गया अधियाचन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) राजकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 536 पदों पर भर्ती करेगा। उच्च शिक्षा निदेशालय ने भर्ती के लिए आयोग को रिक्त पदों का अधियाचन भेज दिया है। वहीं, उच्च शिक्षा निदेशालय और राजकीय महाविद्यालयों में समूह–ग के तहत शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के रिक्त पदों पर भी भर्ती के लिए निदेशालय ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) को अधियाचन भेजा है। असिस्टेंट प्रोफेसर और समूह–ग के पदों पर भर्ती के लिए क्रमशरू यूपीपीएससी और यूपीएसएसएससी की ओर से जल्द ही विज्ञापन जारी किया जा सकता है। राजकीय कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए उच्च शिक्षा निदेशालय ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को दो चरणों में रिक्त पदों का अधियाचन भेजा है। पहले चरण में 384 पदों और दूसरे में 152 पदों का अधियाचन भेजा गया है। अभ्यर्थियों को समूह–ग के पदों पर भी कई वर्षों से भर्ती होने का इंतजार है। उच्च शिक्षा निदेशालय में समूह–ग के 23 पदों पर भर्ती के लिए अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को अधियाचन भेजा गया है। इनमें छह पद स्टेनो और 17 पद कनिष्ठ सहायक के हैं। वहीं, राजकीय महाविद्यालयों में समूह–ग के तहत कनिष्ठ सहायक के 52 पदों पर भर्ती के लिए अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को अधियाचन भेजा गया है। इनमें 22 पद अनारक्षित, 12 पद अन्य पिछड़ा वर्ग, 10 पद अनुसूचित जाति, चार पद अनुसूचित जनजाति और चार पद आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षित हैं।

आयोग को स्क्रीनिंग परीक्षा नियमावली मंजूर होने का इंतजार

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को राजकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए अधियाचन तो मिला चुका है। लेकिन, विज्ञापन जारी करने के लिए आयोग को शासन स्तर से स्क्रीनिंग परीक्षा की नियमावली को स्वीकृति मिलने का इंतजार है।

जिस बीवी ने घर से निकाला, उसे फ्लैट देगा पति

3 करोड़ रुपए और नोएडा में फ्लैट देने पर तलाक मंजूर, इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला

प्रयागराज। जिस बीवी ने 17 साल पहले पति को फ्लैट से निकाला था, अब तलाक के लिए उसी फ्लैट को पति उसे देगा। साथ ही गुजारा के लिए 3 करोड़ कैश भी देने को राजी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लंबे समय से विवाद के चलते अलग रह रहे पति–पत्नी के बीच तलाक मंजूर कर लिया है। कोर्ट ने कहा– पति अपनी पत्नी को नोएडा स्थित फ्लैट और तीन करोड़ रुपए देगा। रुपए का भुगतान 6 हफ्ते में करना होगा। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति विकास की खंडपीठ ने विपिन कुमार जायसवाल की प्रथम अपील को स्वीकार करते हुए दिया। 17 सितंबर 2017 को परिवार अदालत गौतमबुद्धनगर ने तलाक देने से इनकार कर दिया था। हाईकोर्ट ने परिवार अदालत के फैसले को रद कर दिया।

6 दिसंबर 1994 को शादी हुई थी : विपिन कुमार जायसवाल की शादी मनीषा से 6 दिसंबर 1994 को फर्रुखाबाद में हुई थी। दोनों के दो बच्चे भी हैं। वर्ष 1999 में एक कंपनी के मालिक पति ने पत्नी के नाम नोएडा में फ्लैट खरीदा। पिता की मौत के बाद पत्नी बच्चों सहित अपनी मां के साथ रहने लगी।

17 साल पहले पत्नी ने पति को फ्लैट से निकाल दिया

17 साल पहले यानी वर्ष 2007 में मारपीट और झगड़े के कारण पत्नी ने पति को नोएडा के फ्लैट से निकाल दिया। इसके कई केस दर्ज हुए। घरेलू हिंसा और तलाक का केस दर्ज किया गया। परिवार अदालत ने पत्नी के अलग रहने के आधार पर तलाक देने से इनकार कर दिया। फिर पति विपिन ने हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी।

पति 3 करोड़ और फ्लैट देने के लिए तैयार

पति अपनी पत्नी से छुटकारा पाने के लिए एकमुश्त तीन करोड़ रुपए राशि और नोएडा का फ्लैट देने पर राजी हुआ। हाईकोर्ट के आदेश के बाद दोनों का वैवाहिक संबंध खत्म हो गया।

बड़ा ताजिया के अलम जुलूस में उमड़ी भीड़

प्रयागराज में कदीमी रास्तों पर लहराया अलम, रात के दो बजे हुसैन जिंदाबाद की गूंज

प्रयागराज। प्रयागराज में बड़ा ताजिया का ऐतिहासिक अलम जुलूस मंगलवाल देर रात अकीदत के साथ उठाया गया। जुलूस रात दो बजे तक पुराने शहर में गश्त करता रहा। बड़ा ताजिया इमामबाड़े से उठे जुलूस में हजारों लोगों ने शिरकत की। अलम पर फूल चढ़ाने वालों की भीड़ जुटी रही। हर तरफ हुसैन जिंदाबाद के नारे गूंजते रहे। जुलूस में तिरंगा भी लहराया गया। पुराने शहर में तबल और ढोल की आवाज आधी रात तक गूंजी। नातख्वानी, ढोल, तबल की थाप के बीच जुलूस बड़ा ताजिया से उठकर जानसेनगंज, लीडर रोड, खारी कुइयां, शाहगंज, नखासकोहना, कोतवाली से होता हुआ वापस बड़ा ताजिया इमामबाड़े पर देर रात लाया गया। डीसीपी सिटी दीपक भूकर पुराने शहर में गश्त कर सुरक्षा का जायजा लेते रहे। जुलूस की अगवाई विधायक हर्ष वर्धन बाजपेई ने की।

पूरे रास्ते चढ़ाया अकीदत के फूल, लंगर भी हुआ : पूरे रास्ते अलम पर फूल चढ़ाया जाता रहा। इस दौरान लोगों ने अपने घरों से लंगर भी किया। युवाओं की टोली हुसैन जिंदाबाद के नारे लगाती रही। जुलूस के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। एसीपी कोतवाली मनोज सिंह फोर्स के साथ मौजूद रहे। जुलूस में अध्यक्ष रेहान खान, सचिव इमरान खान, जावेद खान, अब्दुल अजीम उर्फ चांद मियां, पूर्व पार्षद जफर खां, पार्षद सलामत उल्ला, वजीर खान, पार्षद जिया उबैद, आमिर खान, सुहैल खान, अल्तमशन अल्तू, राहिल खान, वसीम खान, अफजल, अर्शी आदि मौजूद रहे।

क्रिप्टोकरेंसी बनी साइबर अपराधियों का नया हथियार, जांच में ठिठक जाते हैं पुलिस कदम

प्रयागराज। जार्जटाउन में पूर्व आईएफएस अफसर की पत्नी को डिजिटल अरेस्ट कर 1.48 करोड़ की ठगी की गई। मामले में चार लोगों को गिरफ्तार कर हुई पूछताछ में पता चला कि मास्टरमाइंड ने रकम क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कर विदेश में भेजी और फिर वहां से अपने पास मंगवाई। इसके बाद से जांच अटकी पड़ी है।

केस दो

अंतरराष्ट्रीय साइबर ठग गिरोह की एजेंट शबीना समेत तीन को गिरफ्तार कर पूर्व सीएमओ से 1.26 करोड़ की ठगी का खुलासा किया गया। उन्होंने बताया कि पूर्व सीएमओ के खाते से उड़ाई गई रकम क्रिप्टोकरेंसी के जरिए दुबई–ताईवान में बैठे सरगना को भेजी। फिलहाल जांच इसके बाद आगे नहीं बढ़ सकी है।

केस तीन

नैनी में ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर करोड़ों की ठगी में 14 लोग गिरफ्तार हुए लेकिन महीनों बीतने के बाद भी सरगना राहुल साव फरार है। यह बात भी सामने आई है कि उसने यूपी, बिहार, कोलकाता में अपने एजेंटों के जरिए करोड़ों रुपये कमाए और फिर क्रिप्टोकरेंसी के जरिए इन्हें अपने सरगना तक भेजा। साइबर अपराधियों ने पुलिस से बचने के लिए क्रिप्टोकरेंसी को हथियार बना लिया है। साइबर ठगी में पीड़ितों से हड़पी गई रकम को अब वह सीधे बैंक से निकालने की जगह क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत से बाहर नियंत्रण होने के चलते क्रिप्टोकरेंसी में लेनदेन करने वाले का पता लगाना बेहद मुश्किल है और यही वजह है कि क्रिप्टोकरेंसी में निवेश तक पहुंचकर ही साइबर ठगी के मामलों की जांच अटक जा रही है। प्रभारी साइबर थाना राजीव तिवारी बताते हैं कि कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें साइबर ठगी के जरिए उड़ाई गई रकम को क्रिप्टाकरेंसी में निवेश कर आगे ट्रांसफर किया गया। क्रिप्टोकरेंसी जैसे बिटक्वॉइन, टीथर आदि का नियंत्रण भारत से बाहर से होता है। जिन एक्सचेंज वॉलेट का इस्तेमाल क्रिप्टोकरेंसी में निवेश व ट्रांसफर के लिए किया जाता है, उन्हें भी विदेश में बैठे लोग ही संचालित करते हैं। ऐसे में क्रिप्टोकरेंसी में लेनदेन करने वाले का ब्यौरा मिलना कम से कम मौजूदा स्थिति में बेहद कठिन है। यही वजह है कि पीड़ित के खाते से बैंक खातों में रकम ट्रांसफर कर नकदी निकालने के मामले में अपराधी पकड़े जाते हैं लेकिन क्रिप्टो में निवेश के बाद जांच अटक जाती है और इस रकम को पाने वाले का पता लगाना बेहद मुश्किल हो जाता है।

साइबर अपराधियों के लिए सबसे सुरक्षित

साइबर विशेषज्ञ मो. हसन जैदी बताते हैं कि क्रिप्टोकरेंसी के जरिए बड़ी से बड़ी रकम चंद सेकेंड्स में दुनिया के किसी भी कोने में ट्रांसफर की जा सकती है। सबसे बड़ी बात यह है कि सभी क्रिप्टोकरेंसी का नियंत्रण भारत से बाहर है, ऐसे में इसके लेनदेन में शामिल लोगों की जानकारी मिलना पुलिस के लिए टेढ़ी खीर है। इसके लिए भारतीय दूतावास से संबंधित देश के दूतावास के जरिए पत्र भेजकर भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के तहत जानकारी मांगी जा सकती है, लेकिन यह लंबी और जटिल प्रक्रिया है। यह इस पर भी निर्भर करता है कि संबंधित देश से भारत के रिश्ते कैसे हैं। यही वजह है कि साइबर ठगी के बहुतायत मामलों में रकम को ठिकाने लगाने के लिए क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल किया जा रहा है।

किस देश में हुआ लेनदेन, इसकी मिलती है जानकारी : डीसीपी नगर दीपक भूकर बताते हैं कि क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के बाद रकम कहां और किसके पास गई, इसका पता लगाना थोड़ा मुश्किल लेकिन नामुमकिन नहीं है। अभी भी किसी भी खाते से क्रिप्टोकरेंसी खरीदने पर यह पता लग जाता है कि इसे खरीदने वाला कौन है। इसके बाद यह भी पता लगाया जा सकता है कि क्रिप्टोकरेंसी किस देश में ट्रांसफर हुई। किसके वॉलेट में ट्रांसफर हुई, इसका पता लगाने के लिए संबंधित देश से विधिक नियमों के तहत पत्राचार किया जा सकता है। जो भी उपलब्ध संसाधन हैं, उनमें साइबर अपराध से निपटने के लिए लगातार बेहतर प्रयास किया जाता है। हाल ही में हुए साइबर अपराध के मामलों के खुलासे इसका जीता जागता उदाहरण हैं।

अदालती नोटिस

हेतु सदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)

न्यायालय अपर आयुक्त प्रयागराज मण्डल प्रयागराज

प्रथम अपील संख्या - सी 20200200000003   सन 2020

ओम प्रकाश आदि   ...अपीलाण्ट्स/वादीगण

बनाम

1. **सूर्य नारायण** पुत्र ओंकारनाथ, 2. **श्रीमती हृदयेश कुमारी** पत्नी विश्वनाथ सिंह, 3. **तारा सिंह** पुत्र स्व. विश्वनाथ सिंह सभी निवासीगण ग्राम कोटवा परगना झूंसी तहसील फूलपुर जनपद प्रयागराज, 4. **राज्य सरकार उत्तर प्रदेश** द्वारा कलेक्टर साहब प्रयागराज, 5. **ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत कोटवा परगना झूंसी तहसील फूलपुर जनपद प्रयागराज** द्वारा ग्राम प्रधान तहसील फूलपुर, प्रयागराज।

...रिसपोन्डेन्ट्स/ प्रतिवादीगण

चूँकि ऊपर नमोकित ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए **2024 के 07 के 24 दिवस को 2 बजे पूर्वाह्न** में स्वयं या सम्यक रूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मुहर सहित आज 09/07/2024 के दिवस को निकाला गया है।

ता.पेशी 24/07/2024

न्यायाधीश

माफिया अतीक का वकील विजय मिश्र हुआ हिस्ट्रीशीटर

प्रयागराज के कैंट थाने में खुली हिस्ट्रीशीट, 22–बी नंबर, नैनी जेल में बंद है

प्रयागराज। आईएस–227 गैंग के सरगना रहे माफिया अतीक के करीबियों, गैंग मेंबरों पर शिकंजा और कसा जाने लगा है। पहले अतीक के बेटे उमर और अली की हिस्ट्रीशीट खोली गई। इसके बाद उमेश पाल हत्याकांड में गिरफ्तार सभी आरोपियों पर गैंगस्टर लगा। अब अतीक–अशरफ के वकील रहे विजय मिश्र की हिस्ट्रीशीट खोल दी गई है। कैंट थाने में खुली हिस्ट्रीशीट का नंबर 22–बी है। उसके खिलाफ उमेश पाल हत्याकांड समेत कुल 9 मुकदमे दर्ज हैं। उमेश पाल हत्याकांड में विजय मिश्र की भी संलिप्तता सामने आए थी। पुलिस ने पुख्ता सबूत जुटाने के बाद अधिवक्ता विजय मिश्र को गिरफ्तार किया है। वह अभी नैनी जेल में बंद है।

बरेली जेल अशरफ से मिलता रहा, शूटरों से संपर्क में था

सरायइनायत के ककरा गांव निवासी विजय मिश्र शहर में बेली रोड पर परिवार के साथ रहता था। उमेश पाल हत्याकांड के बाद वह फरार शूटरों और अतीक के परिवार के लोगों के संपर्क में था। पुलिस टीम इस मामले में फरार चली रही अशरफ की पत्नी और शूटरों की तलाश में छापेमारी कर रही थी। इसी दौरान विजय मिश्र पकड़ा गया था। उसके खिलाफ उमेश पाल हत्याकांड में शूटरों, साजिशकर्ता और मददगारों पर जो धाराएं लगी थी। वहीं धाराएं विजय मिश्र पर भी लगी थी। उमेश पाल हत्याकांड मामले में पुलिस उसके खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल कर चुकी है। विजय मिश्र ने मुस्लिम लड़की से शादी की है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला था कि उमेश पाल की हत्या के 4 दिन पहले उसने अशरफ से कई बार बात की थी। उमेश पाल हत्याकांड से पहले विजय मिश्र लगातार बरेली जेल में बंद अशरफ के संपर्क में रहा।

कारोबारी से मांगी थी 3 करोड़ रंगदारी : कारोबारी से 3 करोड़ रुपए रंगदारी मांगने के मामले में भी विजय मिश्र के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। दरियाबाद के कारोबारी ने आरोप लगाया था कि विजय मिश्र उसे धमकी देकर 3 करोड़ रुपए मांग रहा है। इस मामले में अतरसुइया थाने में गंभीर धाराओं में केस दर्ज हुआ था।

सावन की तैयारी : 20 जुलाई से होगा रूट डायवर्जन

प्रयागराज से वाराणसी, जौनपुर, गोरखपुर की बसें फाफामऊ व सहसों से जाएंगी

प्रयागराज। 22 जुलाई से सावन मास की शुरूआत हो रही है। जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु वाराणसी जाएंगे। उनकी सुरक्षा व सहूलियत को देखते हुए रूट डायवर्जन की तैयारी की गई है। सामान्य यात्रियों को रूट डायवर्जन से परेशानी भी होगी। प्रयागराज से वाराणसी, जौनपुर व गोरखपुर जाने वाली रोडवेज बसें झूंसी व अंदावा के बजाय तेलियरगंज, फाफामऊ होते हुए सहसों की ओर से भेजी जाएंगी। उधर, से आने वाली बसें भी इसी रूट से होकर प्रयागराज तक आएंगी। यह रूट डायवर्जन 20 जुलाई की रात से शुरू होगा और 19 अगस्त तक रहेगा।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. ई टी-41/विद्युत/कोचिंग-प्रया0/2024-25   दिनांक 09.07.2024

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (कोचिंग) उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित फार्म पर E-Tender दि0 08.08.2024 समय 15.00 बजे तक आमन्त्रित करते है। निविदा के सम्बन्ध में मुख्य सूचनायें निम्नवत् है-

निविदा खुलने की तिथि - 08.08.2024.

निविदा सं.-ETCHG-41	कार्य की लागत- ₹ 16,60,144.15	धरोहर राशि- ₹ 33,200.00

कार्य का नाम- प्रयागराज मंडल में एलएचबी नॉन-एसी कोचों के जल पंपों के लिए अलग एमपीसीबी का प्रावधान और इसके नियंत्रक को ऑनबोर्ड पैनलों में स्थानांतरित करना।

समयावधि- 06 Months, **टेन्डर फार्म की कीमत (₹)** : NIL, **निविदा का प्रकार** : Works (Open Tender) under Revenue allocation, **नोट-** 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर समय 15:00 बजे टेण्डर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको IT Act - 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म / लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 5. निविदा सूचना को निम्नलिखित वेबसाइट पर भी देखा जा सकता है- **www.ncr.indianrailways.gov.in** 6. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए **IREPS** की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 7. ईएमडी का भुगतान केवल ऑनलाइन कई बैंक की नेट, डेबिट और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किया जाना चाहिए। **1199/24(DG)**

अदालती नोटिस

हेतु सदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)

न्यायालय अपर आयुक्त प्रयागराज मण्डल प्रयागराज

प्रथम अपील संख्या - सी 20200200000035   सन 2020

ओम प्रकाश आदि   ...अपीलाण्ट्स/ वादीगण

बनाम

1. **कुसुम देवी** पत्नी स्व.कृष्णाकान्त, 2. **सूरज** पुत्र स्व. कृष्णाकान्त, 3. **रमाकान्त** पुत्र श्री शिवदर्शन, 4/1 . **विशाल** पुत्र स्व. प्रभाकान्त, 4/2. **श्रीमती गुड्डी पत्नी** स्व. प्रभाकान्त, 5. **शशिकान्त** , 6. **पिंटू** पुत्रगण शिवदर्शन, 7. **कुलदीप मिश्र** , 8.**संजय मिश्र** , 9. **शिव मिश्र** पुत्रगण रमाशंकर, 10. **उत्तर प्रदेश राज्य सरकार** द्वारा कलेक्टर प्रयागराज 11. **ग्राम पंचायत कोटवा, परगना झूंसी, तहसील फूलपुर, जनपद प्रयागराज** द्वारा ग्राम प्रधान तहसील फूलपुर, प्रयागराज।

...प्रतिवादीगण

चूँकि ऊपर नमोकित ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए **2024 के 07 के 24 दिवस को 2 बजे पूर्वाह्न** में स्वयं या सम्यक रूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मुहर सहित आज 09/07/2024 के दिवस को निकाला गया है।

ता.पेशी 24/07/2024

न्यायाधीश

संक्षिप्त

बारिश में टमाटर के दाम पहुंचे आसमान पर, लोगों के लिए खरीदना हुआ मुश्किल

देश भर के कई राज्यों में मानसून की बारिश के कारण टमाटर की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। आपूर्ति पर पड़े असर के कारण दिल्ली में टमाटर की कीमतें आसमान छूने लगी है। टमाटर बाजार में 90 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है। दिल्ली की प्रमुख थोक सब्जी मंडियों आजादपुर मंडी, गाजीपुर मंडी और ओखला सब्जी मंडी में भी टमाटर के दाम बढ़ गए हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, टमाटर की बढ़ती कीमतों पर स्थानीय लोगों ने निराशा व्यक्त की है। एक व्यक्ति ने कहा, ''कुछ दिन पहले ही हमने 28 रुपये किलो टमाटर खरीदा था, लेकिन अब यह ऑनलाइन और स्थानीय बाजार में 90 रुपये किलो बिक रहा है। सब्जियाँ महंगी हो गई हैं।'' आजादपुर मंडी में थोक सब्जी विक्रेता संजय भगत ने पीटीआई–भाषा को बताया, ''बारिश के कारण थोक मंडियों में भी कीमतें 50 रुपये किलो तक बढ़ गई हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि पिछले एक सप्ताह में टमाटर की आपूर्ति कम हो गई है। महाराष्ट्र, कर्नाटक और हिमाचल जैसे राज्यों से इन कृषि उपजों को ले जाने वाले ट्रकों की संख्या में भारी बारिश के कारण परिवहन प्रभावित होने के कारण कमी आई है।" गाजीपुर सब्जी मंडी के एक विक्रेता ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में थोक बाजारों में टमाटर की कीमतें 60–70 रुपये तक बढ़ गई हैं, जबकि एक अन्य ने टमाटर की कीमतों में वृद्धि का कारण फसल को हुआ नुकसान बताया। गौरतलब है कि टमाटर लंबे समय तक खराब नहीं होते और बहुत जल्दी सड़ जाते हैं, इसलिए बारिश के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे कीमतें बढ़ गई है।

पीएम मोदी आम बजट से पहले बृहस्पतिवार को अर्थशास्त्रियों से करेंगे मुलाकात

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों से मुलाकात करेंगे और आगामी बजट के लिए उनके विचार तथा सुझाव सुनेंगे। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को लोकसभा में वित्त वर्ष 2024–25 का पूर्ण बजट पेश कर सकती हैं। अर्थशास्त्रियों तथा क्षेत्रीय विशेषज्ञों के अलावा

प्रधानमंत्री की बैठक में नीति आयोग के वाइस चेयरमैन सुमन बेरी और अन्य सदस्य भी शामिल होंगे। यह मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला प्रमुख आर्थिक दस्तावेज होगा, जिसमें अन्य बातों के अलावा 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की रूपरेखापेश किए जाने की उम्मीद है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले महीने संसद की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए संकेत दिया था कि सरकार सुधारों की गति बढ़ाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाएगी। वित्त वर्ष 2023–24 में अर्थव्यवस्था ने 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की है सीतारमण ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर फरवरी में 2024–25 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था।

बैंकों में आंतरिक खातों का हो रहा दुरुपयोग, RBI ने चिंता व्यक्त करते हुए दिया बड़ा आदेश

भारतीय रिजर्व बैंक ने कुछ बैंकों में आंतरिक खातों के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त की है। निरीक्षण से पता चला कि बैंक द्वारा अपने परिचालन के लिए उपयोग किए जाने वाले कुछ आंतरिक खातों का उपयोग धोखाधड़ी के लिए किया जा रहा है। देश के केंद्रीय बैंक यानी आरबीआई ने बैंकों को इसके दुरुपयोग के बारे में चेतावनी दी है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे के अनुसार, आरबीआई की जांच से पता चला है कि बिना किसी वैध कारण के कई आंतरिक बैंक खाते हैं। कुछ खातों का इस्तेमाल धोखाधड़ी और ऋण की धोखाधड़ी के लिए किया जा रहा है। अब, इसने बैंकों को इस दुरुपयोग के बारे में चेतावनी दी है। निरीक्षण में यह भी पता चला कि कुछ बैंकों ने बिना किसी वैध कारण के लाखों आंतरिक खाते खोल दिए। अब, सरकार ने दुरुपयोग के खिलाफ कदम उठाते हुए इन बैंकों के मुख्य वित्तीय अधिकारियों (सीएफओ) को इन सभी अनावश्यक बैंक खातों को बंद करने के लिए कहा है। इतना ही नहीं, केंद्रीय बैंक ने बैंकों से केवल आवश्यक खाते रखने और उनका प्रबंधन करने को भी कहा है। साथ ही बैंकों से इन खातों पर बेहतर नियंत्रण रखने का आग्रह किया गया है।

राहुल द्रविड़ ने साथियों के लिए किए 2.5 करोड़ रुपये कुर्बान!

टी20 विश्व कप की जीत के लिए अतिरिक्त बोनस लेने से किया इनकार

राहुल द्रविड़ की विनम्रता एक बार फिर देखने को मिली, जब निवर्तमान मुख्य कोच ने बारबाडोस में टी20 विश्व कप जीत के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीओआई) द्वारा दिए जाने वाले 2.5 करोड़ रुपये के अतिरिक्त बोनस को लेने से इनकार कर दिया।

राहुल द्रविड़ की विनम्रता एक बार फिर देखने को मिली, जब निवर्तमान मुख्य कोच ने बारबाडोस में टी20 विश्व कप जीत के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीओआई) द्वारा दिए जाने वाले 2.5 करोड़ रुपये के अतिरिक्त बोनस को लेने से इनकार कर दिया। द्रविड़ ने यह सुनिश्चित करने का फैसला किया कि सीनियर पुरुष टीम के सभी सहयोगी स्टाफ सदस्यों को समान बोनस पुरस्कार मिले। बीसीसीआई ने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ सहित टीम इंडिया के सदस्यों के लिए 125 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि की घोषणा की। खिलाड़ियों और राहुल द्रविड़ को जहां 5 करोड़ रुपये दिए गए, वहीं बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर, गेंदबाजी कोच पारस महाम्ब्रे और फील्डिंग कोच टी दिलीप सहित सहयोगी स्टाफ के अन्य सदस्यों को बोनस के रूप में 2.5 करोड़ रुपये मिलने वाले थे। हालांकि, इंडिया टुडे को एक सूत्र ने बताया कि राहुल द्रविड़ ने बोर्ड से कहा कि वह बोनस के रूप में केवल 2.5 करोड़ रुपये लेंगे। टीम में शामिल 15 खिलाड़ियों को 5–5 करोड़ रुपये दिए गए। सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को 2.5 करोड़ रुपये दिए गए, जबकि चयनकर्ताओं और यात्रा करने वाले रिजर्व खिलाड़ियों को 1–1 करोड़ रुपये दिए गए। बीसीसीआई सचिव जय शाह और अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने गुरुवार 4 जुलाई को मुंबई में विजय परेड के बाद टीम को पुरस्कार राशि सौंपी। यह पहली बार नहीं है जब राहुल द्रविड़ ने इस तरह का दिल छू लेने वाला इशारा किया है। 2018 में, भारत द्वारा अंडर–19 पुरुष विश्व कप ट्रॉफी जीतने के बाद, बीसीसीआई ने तत्कालीन कोच द्रविड़ के लिए 50 लाख रुपये, उनकी टीम के अन्य सदस्यों के लिए 20 लाख रुपये और खिलाड़ियों के लिए 30 लाख रुपये के पुरस्कार की घोषणा की थी। द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड से पुरस्कार राशि को कोचिंग स्टाफ के बीच समान रूप से विभाजित करने के लिए कहा था और बोर्ड ने उनके अनुरोध पर सहमति व्यक्त की थी। गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में सम्मान समारोह के दौरान राहुल द्रविड़ ने टी20 विश्व कप जीत को याद करते हुए अपने सहयोगी स्टाफ के सदस्यों की बहुत तारीफ की थी। द्रविड़ के साथ ही राठौर, महाम्ब्रे और दिलीप का कार्यकाल भी समाप्त हो गया।

द्रविड़ ने शानदार तरीके से विदाई ली

द्रविड़ ने शानदार तरीके से विदाई ली, उन्होंने भारत की खिताबी जीत की देखरेख की, जिससे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के ताज के लिए उनका 11 साल का लंबा इंतजार खत्म हुआ। पिछले साल नवंबर में वनडे विश्व कप फाइनल में मिली हार के बाद द्रविड़ ने पद छोड़ने पर विचार किया था। हालांकि, जब कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें बुलाया और पद पर बने रहने के लिए कहा, तो उन्होंने पद पर बने रहने और रजत पदक जीतने का एक और मौका देने का फैसला किया। द्रविड़ ने 2023 में एशिया कप और वनडे विश्व कप और विश्व टेस्ट चौंपियनशिप 2021–23 में उपविजेता पदक सहित दो प्रमुख ट्रॉफियों के साथ अपना कार्यकाल समाप्त किया। बोर्ड सचिव जय शाह ने कहा, ''हम श्री राहुल द्रविड़ और उनके सहयोगी स्टाफ की टीम को टीम इंडिया के साथ उनके कार्यकाल में उनकी सेवा और शानदार प्रयास के लिए धन्यवाद देते हैं। टीम ने सभी प्रारूपों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की और ICC पुरुष टी20 विश्व कप, 2024 में चौंपियन बनना एक ऐसा क्षण है जिसे राष्ट्र लंबे समय तक संजो कर रखेगा।'' बीसीसीआई ने मंगलवार, 09 जुलाई को गौतम गंभीर को सीनियर पुरुष टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज को साढ़े तीन साल का अनुबंध दिया गया है। गंभीर के सहायक कोच के रूप में अभिषेक नायर को शामिल किए जाने की उम्मीद है।

एस. लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह ष्प्रकृतिष लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

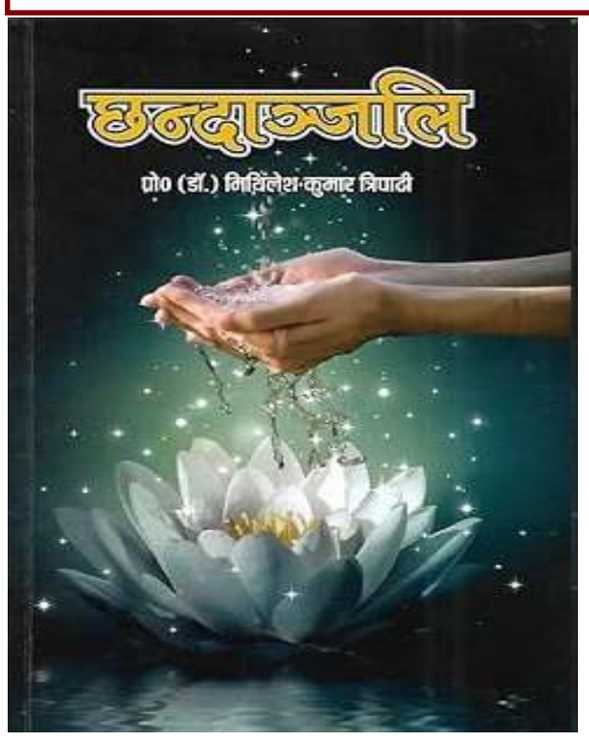

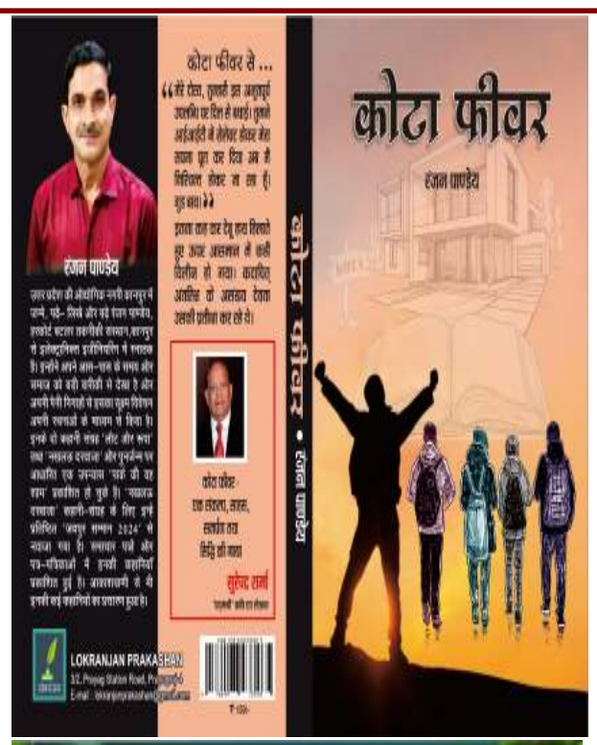

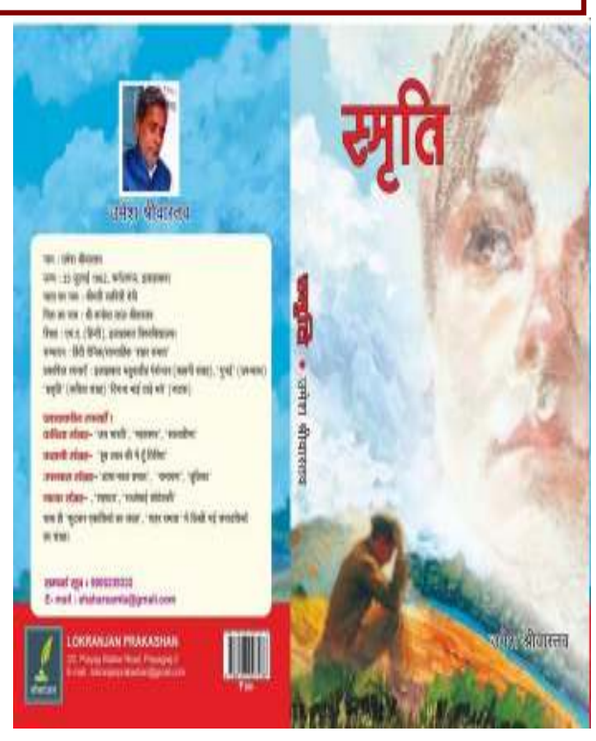

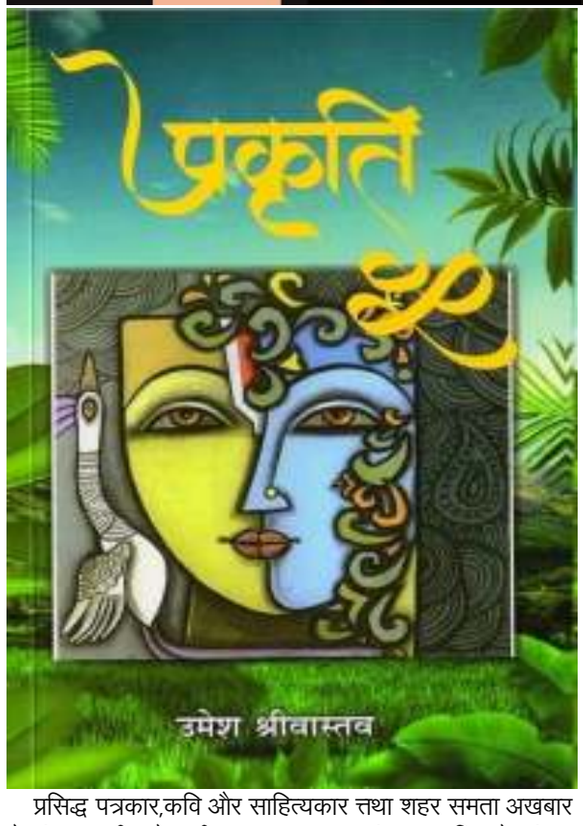

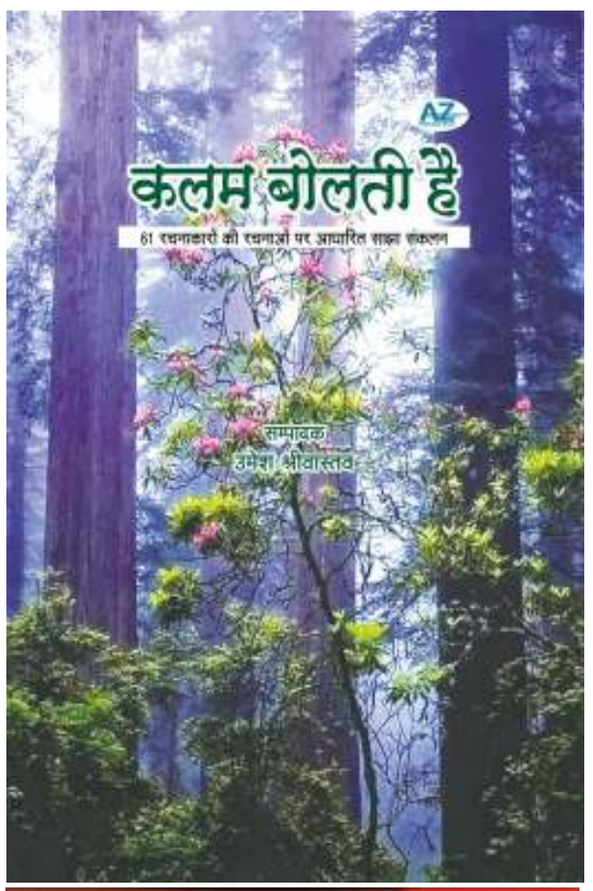

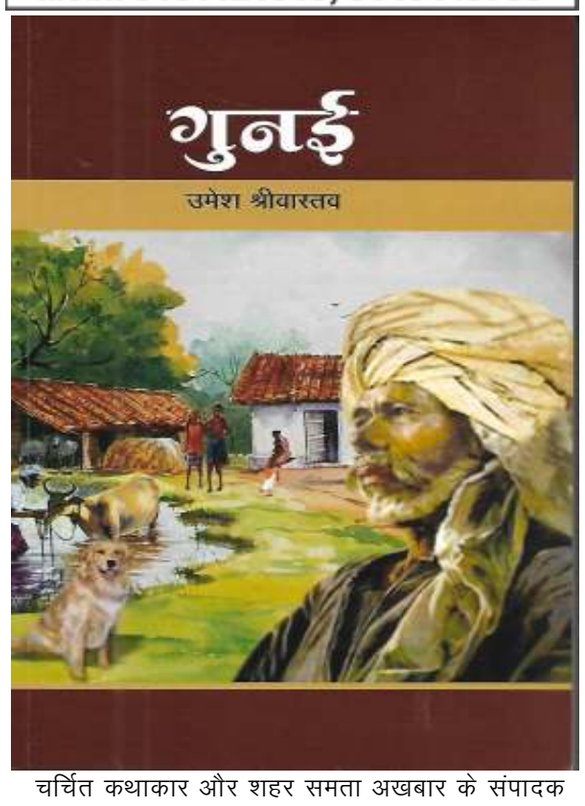

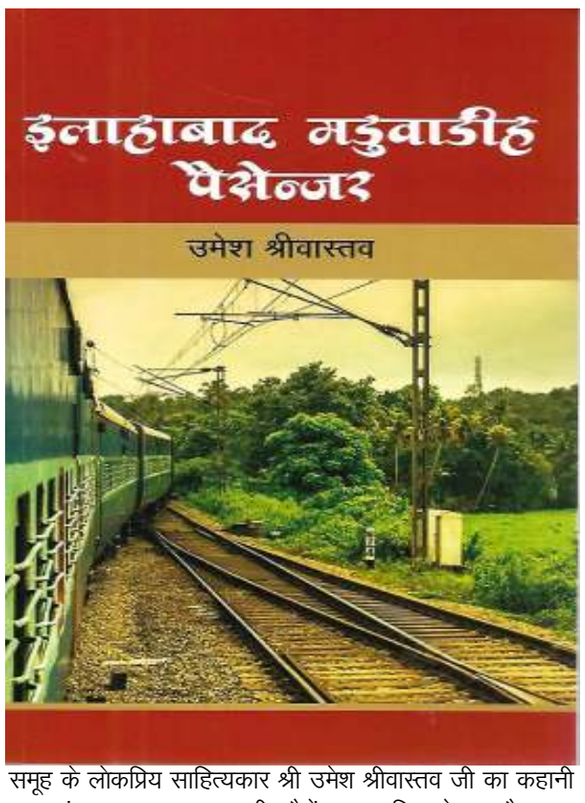

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

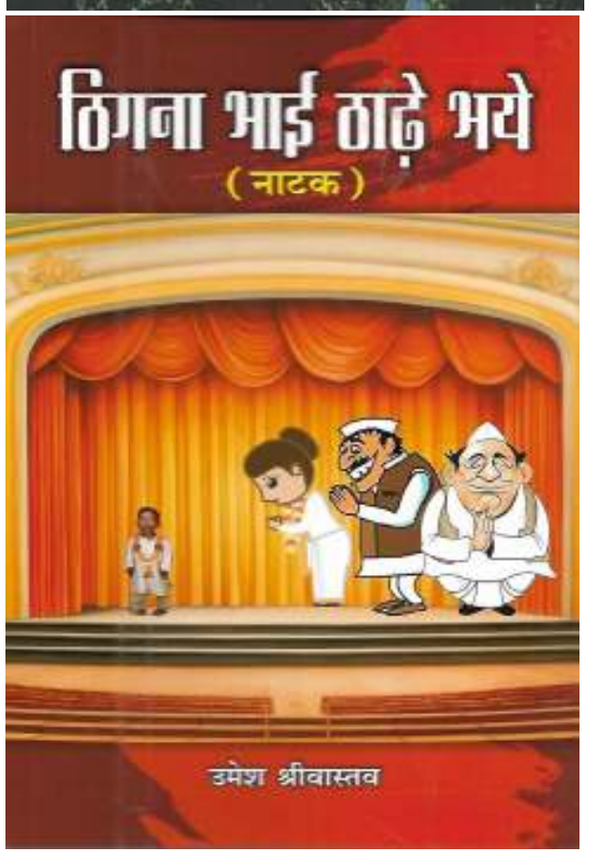

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

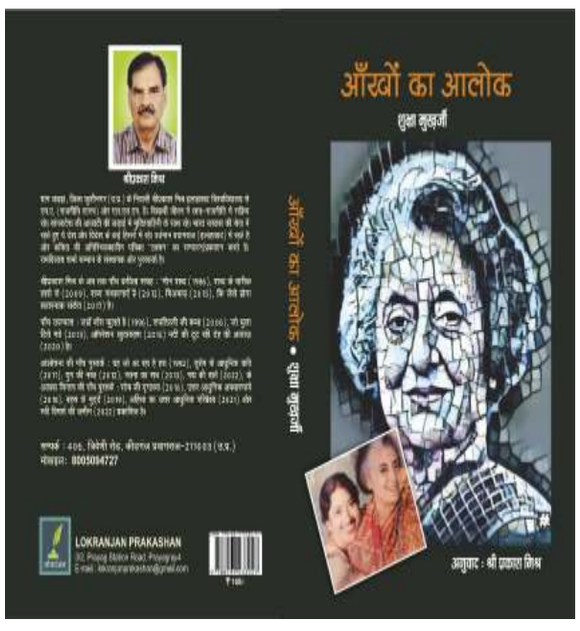

सम्पादकीय.....

गहराता भूजल संकट

यह आंकड़ा डराने वाला है कि उत्तर भारत में भूजल का स्तर 450 घन किलोमीटर तक घट गया है। पिछले दो दशकों में आई यह गिरावट इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में खेती व जीवनयापन के लिए पानी की किल्लत हो सकती है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में सिविल इंजीनियरिंग और पृथ्वी विज्ञान के 'विक्रम साराभाई चेयर प्रोफेसर' के एक अध्ययन में बताया गया है कि दो दशक में भूजल में आयी यह कमी भारत के सबसे बड़े जलाशय इंदिरा सागर बांध की कुल जल भंडारण मात्रा का 37 गुना है। दरअसल, भूजल में इस कमी की एक बड़ी वजह वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी बारिश में 8.5 फीसदी की कमी आना है। इस संकट का दूसरा पहलू यह भी है कि उत्तर भारत में सर्दियों के तापमान में 0.3 सेल्सियस वृद्धि देखी गई है। इस बात की पुष्टि हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय भूभौतिकी अनुसंधान संस्थान के शोधार्थियों के एक दल ने की है। मानसून के दौरान कम बारिश होने और सर्दियों के दौरान तापमान बढ़ने के कारण आने वाले वर्षों में निश्चित रूप से सिंचाई के लिये पानी की मांग में वृद्धि होगी। वहीं पानी की मांग बढ़ने से भूजल पुनर्भरण में भी कमी आएगी। जिसका दबाव पहले से ही भूजल के संकट से जूझ रहे उत्तर भारत के इलाके पर पड़ेगा। हैदराबाद स्थित एनजीआरआई का अध्ययन चेताता है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जहां एक ओर मानसून के दौरान बारिश में कमी आएगी, वहीं सर्दियों में अपेक्षाकृत अधिक तापमान रहने से भूजल पुनर्भरण में छह से 12 फीसदी तक की कमी आ सकती है। संकट का एक पहलू यह भी है कि हाल के वर्षों में मिट्टी में नमी में कमी देखी गई है। जिसका निष्कर्ष यह भी है कि आने वाले वर्षों में सिंचाई के लिये पानी की मांग में वृद्धि होगी। निश्चित ही यह स्थिति हमारी खेती और खाद्य शृंखला की सुरक्षा के लिये चिंताजनक कही जा सकती है।वहीं दूसरी ओर शोधार्थियों ने अपने अध्ययन में पाया है कि मानसून के दौरान बारिश के प्रतिशत में गिरावट तथा सर्दियों में तुलनात्मक रूप से मौसम के गर्म होने से फसलों की सिंचाई के लिये अधिक भूजल की जरूरत पड़ेगी। इसकी वजह यह भी है कि सर्दियों में तापमान अधिक होने से खेतों की मिट्टी तुलनात्मक रूप से शुष्क हो जाती है। यह कमी तभी पूरी हो सकती है जब हल्की बारिश की अवधि अधिक हो। देश के नीति–नियंताओं को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि भूजल के स्तर को कैसे ऊंचा रखा जा सके। जहां एक ओर वर्षा जल संग्रहण को ग्रामीण व शहरी इलाकों में युद्धस्तर पर शुरू करने की जरूरत है, वहीं अधिक पानी वाली फसलों के चक्र में बदलाव लाने की भी आवश्यकता है। इस संकट के आलोक में खेतिहर वर्ग को मुफ्त बिजली–पानी की राजनीति पर पुनर्विचार की जरूरत भी है। भूजल की सहज व सस्ती उपलब्धता उसके अधिक उपयोग को प्रेरित करती है। कृषि वैज्ञानिकों को ऐसी फसलों के लिये अनुसंधान को बढ़ावा देना होगा, जो ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के बावजूद अधिक तापमान व कम पानी में अधिक उपज दे सकें। सरकारों को यह नहीं भूलना चाहिए कि 140 करोड़ लोगों के लिये खाद्यान्न उपलब्ध कराना उनका प्राथमिक दायित्व है। खाद्यान्न के उत्पादन में कमी कालांतर महंगाई का कारण भी बनती है, जिससे जनाक्रोश में भी वृद्धि होगी। नीति–नियंताओं को गंभीरता से सोचना होगा कि पहले ही आर्थिक संकट से जूझ रही खेती को कैसे लाभकारी बनाया जाए। यदि भूजल का यह संकट भविष्य में और गहराता है तो यह असंतोष का वाहक ही बनेगा। हमें बदलते मौसम के अनुकूल ही अपनी रीतियां–नीतियां बनानी होंगी। साथ ही पूरे देश में पानी के उपयोग के लिये अनुशासन की भी जरूरत होगी। अब चाहे हम नागरिक के रूप में हों, उद्योग व अन्य क्षेत्र में, पानी का किफायती उपयोग आने वाले भूजल संकट से हमारी रक्षा कर सकता है। यह एक गंभीर समस्या है और सरकार व समाज की सक्रिय भागीदारी इस चुनौती से मुकाबले के लिये जरूरी होगी।

उत्तर प्रदेश भाजपा में क्यों नहीं उभर रही है दलित लीडरशिप

अजय कुमार

भाजपा आलाकमान दलित मंत्रियों के साथ ही अनुसूचित मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर रहा है, लेकिन कुछ पहलू ऐसे भी हैं जिसकी ओर अभी तक ना तो बीजेपी आलकमान और ना ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ध्यान दिया है।

लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश से जो झटका मिला है, उससे बीजेपी आलाकमान अभी तक उबर नहीं पाया है। हार की कई स्तरों पर लगातार समीक्षा हो रही है। बीजेपी प्रत्याशियों की हार और वोट प्रतिशत में गिरावट के लिये फिलहाल कई छोटे–छोटे के अलावा दो–तीन बढ़े कारण नजर आ रहे हैं। इसमें प्रत्याशियों के प्रति जनता की नाराजगी के अलावा ओबीसी और दलित वोट बैंक के खिसकने को सबसे बड़ी वजह समझा जा रहा है। इसी के चलते पार्टी के सजातीय मंत्रियों और पदाधिकारियों की लगाम कसने के साथ अब इस वोट बैंक को वापस भाजपा की तरफ लाने की जिम्मेदारी भी सजातीय नेताओं को सौंपी गई है। भाजपा आलाकमान दलित मंत्रियों के साथ ही अनुसूचित मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर रहा है, लेकिन कुछ पहलू ऐसे भी हैं जिसकी ओर अभी तक ना तो बीजेपी आलकमान और ना ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ध्यान दिया है। इसमें सबसे बड़ा कारण पार्टी और सरकार के स्तर पर कार्यकर्ताओं की अनदेखी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पूरी सरकार को अपने पास केन्द्रित कर लेना है। स्थिति यह हो गई थी कि यूपी में योगी ही सब कुछ हो गये थे, यहां तक की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक यूपी प्लस योगी बहुत हैं उपयोगी जैसे जुमले बोलने लगे थे। स्थिति यह हो गई थी कि जो वोटर अपने जनप्रतिनिधि से सीधे सम्पर्क में रहता है उसी जनप्रतिनिधि के अधिकारों को सीज कर दिया गया था,कई मौकों पर वह (विधायक/सांसद) अपने वोटरों को चाह कर भी इंसाफ नहीं दिला पाते थे, क्योंकि उनकी न तो सरकार में सुनवाई हो रही थी, न ही अधिकारी अथवा पुलिस उनकी सुनती थी। क्योंकि ऊपर से आदेश पास हुआ था कि कोई बीजेपी का नेता किसी सरकारी अधिकारी अथवा थाना–चौकी पर नहीं जायेगा। ऐसे में कोई नेता या जनप्रतिनिधि थाने–चौकी पर जाने की हिमाकत कर लेता था तो उसको बेइज्जत होना पड़ता था। नतीजा यह होता जनप्रतिनिधि अपने ही मतदाताओं की नजरों में उतर जाता। वह वोटरों से कटने लगता, जिसकी परिणिति लोकसभा चुनाव में हार के रूप में बीजेपी को चुकानी पड़ी। अब जब बीजेपी के नेताओं कार्यकर्ताओं की सुनी जा रही है तो वह अपना दर्द बयां कर रहे हैं। उनके द्वारा दलितों और ओबीसी समाज में भाजपा को लेकर नाराजगी की वजहें गिनाई जा रही हैं। सूत्रों की माने तो कई मंत्रीं और नेता बेरोजगारी के अलावा पार्टी में जातीय कार्यकर्ताओं को तवज्जों न मिलना हार का एक बड़ा कारण बता रहे हैं। कहा यह भी जा रहा है कि उत्तर प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष किसी दलित को बनाया जाये, जिससे दलित वोटरों में अच्छा मैसेज जायेगा। कुछ लोगों ने तो यह भी आरोप लगाये कि दलित अधिकारियों को थानेदारों और तहसीलदारों की नौकरियां तो मिलती हैं लेकिन उन्हें पोस्टिंग में दरकिनार रखा जाता है। पार्टी नेताओं ने आउटसोर्सिंग और कॉन्ट्रेक्ट की नौकरी में दलित–ओबीसी समाज के लिए आरक्षण नहीं होने को राज्य में पार्टी की हार की बड़ी वजह बताया है। सरकार और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से नाराज नेताओं ने कहा कि यह चिंतनीय है कि आखिर सरकार के बेहतर काम के बावजूद लोकसभा चुनाव में आश्चर्यजनक तरीके से पहली बार बसपा से कट कर दलित वोट सपा और कांग्रेस की ओर चला गया, ऐसा आखिर क्यों हुआ ? इसका कारण बताते हुए नाराज नेताओं ने दलित नेतृत्व को आगे न बढ़ाने की बात रखी। खैर, बीजेपी आलाकमान ने एहतियात के तौर पर जो कदम उठाये हैं उसमें लोकसभा चुनाव के परिणाम से सीख लेते हुए भाजपा ने दलितों में नए सिरे से पैठ बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए सरकार व संगठन में दलितों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। यूपी भाजपा का नया अध्यक्ष भी कोई दलित चेहरा हो सकता है। इस पर भी विचार हो रहा है कि उप्र की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उप चुनाव में सिफारिश की बजाय जीतने वाले उम्मीदवारों को ही चुनावी मैदान में उतारा जाए। उप चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। साथ ही तय किया गया कि टिकट वितरण से पहले स्थानीय नेताओं की राय जरूर ली जाएगी। इसके साथ ही हिदायत दी गई है कि सभी भाजपा नेताओं को अहंकार से दूरी बना कर चलना होगा। सभी को पद नहीं दिए जा सकते हैं, लेकिन समर्पित होकर चलने से समय आने पर पार्टी आगे आने का मौका भी देती है। बहरहाल, हार के कारणों का पता लगाने की कोशिशों के साथ पार्टी आलाकमान ने दलित व ओबीसी नेताओं को फिलहाल दस विधानसभा के लिए होने वाले उप चुनाव पर फोकस करने को कहा है। सभी लोग मिलकर सभी 10 सीटों पर चुनाव जीतने की कोशिश में जुटें। नेताओं को आपसी मतभेद भूलकर हर सीट जीतने की रणनीति बनाकर काम करना होगा। इसी बीच भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष लोकसभा चुनाव के दौरान प्रदेश भाजपा की मीडिया टीम की भूमिका की भी समीक्षा कर रहे हैं। संतोष ने मीडिया के पदाधिकारियों को अपने तेवर और कलेवर को और अधिक दुरूस्त करने के साथ ही सोशल मीडिया पर सरकार और संगठन का पक्ष आक्रमकता से रखने के भी निर्देश दिए हैं। इस दौरान उन्होंने लोकसभा चुनाव में हार की वजहों को भी जाना और उन कमियों के बारे में भी पूछा, जिनकी वजह से पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा। संतोष ने लोकसभा चुनाव में विपक्ष द्वारा गलत तथ्यों के आधार पर दलितों और ओबीसी के बीच फैलाए गए बातों का असर कम करने के लिए अभी से जुटने के भी निर्देश दिए।

संसद: खिलाड़ी बनते रेफरी

राजेंद्र शर्मा

यह अप्रत्याशित नहीं था कि इस बार के आम चुनाव में संविधान तथा संसदीय जनतंत्र के लिए खतरे को विपक्ष द्वारा मोदी सरकार के खिलाफ एक प्रमुख मुद्दा बनाए जाने के बाद, उल्लेखनीय रूप से बढ़ी हुई ताकत के उत्साह से भरा विपक्ष जब नयी लोकसभा के पहले सत्र में आया, संविधान की रक्षा का मुद्दा उसके साथ चला आया। इसकी अभिव्यक्ति विपक्षी इंडिया ब्लाक के अधिकांश सदस्यों द्वारा संविधान अपने हाथ में संविधान जिंदाबाद जय संविधान के नारे भी लगे। बहरहाल, यह अप्रत्याशित था कि संविधान की इस दुहाई के मुकाबले में सत्तापक्ष की अपने संविधान के प्रति प्रतिश्रुत होने की सफाई, सत्तापक्ष की बैंचों की तरफ से तो सामने आयी ही, लोकसभा के अध्यक्ष के आसन से भी सामने आयी। और यह सफाई सामने आयी, स्पीकर ओम बिड़ला की जय संविधान के विपक्षी सांसदों शपथ के साथ लगाए जा रहे नारे पर खीझ भरी प्रतिक्रिया के रूप में। पुनर्निर्वाचित कांग्रेस सांसद, शशि थरूर के शपथ लेने के बाद, जय संविधान का नारा लगाने पर, स्पीकर बिड़ला खुद को खासतौर पर विपक्षी सांसदों को यह याद दिलाने से रोक नहीं सके कि श्संविधान की ही तो शपथ ले रहे हैंश! अभिप्राय यह कि जय संविधान का नारा लगाने की तो कोई जरूरत ही नहीं थी। इस पर विपक्षी बैंचों से जब आपत्ति की आवाज आयी और खासतौर पर कांग्रेस के दीपेंद्र हुड्डा ने स्पीकर से क्षमा मांगते हुए उन्हें याद दिलाया कि इस पर तो उन्हें आपत्ति नहीं होनी चाहिए, तो स्पीकर बिड़ला बाकायदा भड़क उठे। उन्होंने काफी गुस्से से हुड्डा को बाकायदा डांटते हुए कहा कि उन्हें यह बताने की कोशिश नहीं करें कि उन्हें किस पर आपत्ति होनी चाहिए, किस पर नहीं! प्रसंगवश यह बता दें कि दीपेंद्र हुड्डा, उम्र में हों न हों, संसद सदस्य के रूप में जरूर ओम बिड़ला से वरिष्ठ हैं। स्पीकर बिड़ला की उक्त प्रतिक्रिया के सिलसिले में यह भी दर्ज किया जाना चाहिए कि यह शपथ ग्रहण के मौके पर, आधिकारिक शपथ के अतिरिक्त कोई नारा आदि लगाए जाने का न तो पहला मामला था और न ही इकलौता मामला। इसी बार, विशेष रूप से सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा शपथ लेने के मौके पर, दूसरे कई नारे भी लगाए गए थे, जिनमें 'जय श्रीराम' से लेकर 'जय हिंदू राष्ट्र' तक के नारे शामिल थे, लेकिन स्पीकर को इन पर आपत्ति करना आवश्यक नहीं लगा था। यहां तक कि 'जय हिंदू राष्ट्र' जैसे आपत्तिजनक, संविधान विरोधी, राजनीतिक नारे पर भी उन्हें ऐतराज करना जरूरी नहीं लगा था। उन्हें ऐतराज हुआ तो सिर्फ श्जय संविधानश बोले जाने पर क्योंकि उनके विचार में संविधान के नाम पर शपथ लेते हुए, जय संविधान बोलना गैर–जरूरी था! खैर, यह मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। बाद में लोकसभा स्पीकर ने सदन के काम–काज से संबंधित नियमों में ही संशोधन कर, शपथ के दौरान सदस्यों के आधिकारिक शपथ से इतर कुछ भी जोड़ने पर बाकायदा रोक ही लगा दी। विडंबना यह है कि इस रोक के जरिए, लोकसभा ने जय संविधान को रोकने के चक्कर में, उन दूसरे नारों पर भी रोक लगा दी है, जिन पर उस समय स्पीकर को कोई आपत्ति नहीं हुई थी! इस मामले में स्पीकर ओम बिड़ला के पक्षपात पर तो फिर भी यह तकनीकी बचाव पेश किया जा सकता है कि, उनकी आपत्ति शपथ ग्रहण की पवित्रता कम करने के कारण, ऐसे मौके पर दूसरी हर प्रकार की नारेबाजी पर थी और इसीलिए, अब ऐसे मौके पर तमाम नारेबाजी पर रोक लगायी भी गयी है, विपक्ष के ही नारों पर नहीं। बहरहाल, स्पीकर के रूप में अपने पुनर्निर्वाचन और सत्तापक्ष तथा विपक्ष, दोनों के नेताओं द्वारा उन्हें स्पीकर के आसन तक पहुंचाए जाने आदि की औपचारिकताएं पूरी होने और सत्ता पक्ष तथा विपक्ष, दोनों के नेताओं द्वारा अपने–अपने तरीके से उन्हें चुने जाने के लिए बधाई देने के फौरन बाद, अपने वक्तव्य में ओम बिड़ला ने जिस तरह इमर्जेंसी के खिलाफ लंबी तकरीर कर डाली, उसकी पक्षधरता पर तो कोई तकनीकी पर्दा भी नहीं डाला जा सकता है। मुद्दा यह नहीं है कि इमर्जेंसी के संबंध में ओम बिड़ला ने जो कहा, वह सही था या नहीं था या कितना सही था या सही नहीं था। मुद्दा यह भी नहीं है कि क्या स्पीकर के पद पर बैठे व्यक्ति को–जो जाहिर है कि सांसद होता है–इमर्जेंसी जैसे किसी राजनीतिक विषय पर टीका–टिप्पणी करने का कोई अधिकार है या ऐसा अधिकार ही नहीं है। मुद्दा यह है, जैसा कि अनेक विपक्षी नेताओं ने रेखांकित भी किया, जिनमें से कई इमर्जेंसी के विरोधी भी रहे हैं तथा अब भी हैं, स्पीकर चुने जाने के बाद इस पद को स्वीकार करने की औपचारिकताओं की पवित्रता से जुड़े मौके पर, प्रसंग के बिना ही स्पीकर का इमर्जेंसी जैसा राजनीतिक रूप से विवादित तथा विभाजनकारी मुद्दा उठाना, क्या संसद के अंदर एकता का जो वातावरण बन रहा था, उसे जान–बूझकर खराब करना और टकराव को न्यौतना ही नहीं था। हैरानी की बात नहीं है कि इसके बाद, इस दिन की बाकी कार्रवाई हंगामे की भेंट चढ़ गयी। इस सिलसिले में यह याद दिलाने की जरूरत नहीं है कि अठारहवीं लोकसभा के इस पहले सत्र के शुरू होने से ठीक पहले अपने पारंपरिक वक्तव्य में प्रधानमंत्री ने, अगले दिन इमर्जेंसी के पचास साल पूरे हो जाने के बहाने से, आमतौर पर विपक्ष तथा खासतौर पर कांग्रेस को निशाना बनाने के लिए, जोर–शोर से इमर्जेंसी पर तलवार भांजी थी। और सत्र के आरंभ में राष्ट्रपति के अभिभाषण में भी, जोरों से इमर्जेंसी पर हमला बोला गया था। इन दो वक्तव्यों के बीच सेंडविच बना स्पीकर का इमर्जेंसी संबंधी विस्तृत बयान, जाहिर है कि उक्त दोनों बयानों का ही काम करने की कोशिश कर रहा था। जाहिर है कि यह कोशिश, मोदी राज में बढ़ती तानाशाही की आज की आलोचनाओं को, पचास साल पहले की इमर्जेंसी के हवालों से भोंथरा करने और समकालीन तानाशाही की आलोचना की आवाजों को बदनाम करने की ही कोशिश थी। क्या यह स्पीकर के अपनी रेफ्री की विशिष्ट भूमिका को भूलकर, सत्तापक्ष की ओर से खेलने लगने का ही एलान नहीं है। हैरानी की बात नहीं है कि अठारहवीं लोकसभा के इस अति–संक्षिप्त सत्र में ही, स्पीकर के चुनाव के तुरंत बाद ही, उनके आचरण की निष्पक्षता पर सवाल भी उठ गये। विपक्ष के आधिकारिक नेता, राहुल गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस में अपने भावपूर्ण हस्तक्षेप में, स्पीकर से निष्पक्षता की अपेक्षा को भी रेखांकित किया और इसके विरोधी इशारे मिल रहे होने की ओर ध्यान भी खींचा। राहुल गांधी ने याद दिलाया कि किस तरह, चुने जाने के बाद, स्पीकर को उनके आसन तक छोड़े जाने के समय भी, स्पीकर का आचरण सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच, बराबरी का नजर नहीं आया। आसन तक छोड़े जाने के बाद, प्रधानमंत्री से हाथ मिलाते हुए, स्पीकर अतिरिक्त रूप से झुके हुए दिखाई दे रहे थे, जबकि विपक्ष के नेता से हाथ मिलाते हुए, ज्यादा तने हुए! स्पीकर ओम बिड़ला ने भी, तथ्यतरू ऐसा होने को कबूल किया, हालांकि उन्होंने अपने इस आचरण को संस्कार और परंपरा की दलील देकर सही ठहराने की कोशिश की, कि बड़ों यानी अपने से ज्यादा उम्र के लोगों का झुककर आदर करना तो, उनके संस्कार में है। इस पर राहुल गांधी को उन्हें याद भी दिलाना पड़ा कि सदन में उनसे कोई बड़ा नहीं है, उन्हें किसी के सामने झुकने की जरूरत नहीं है। कहने की जरूरत नहीं है कि स्पीकर के पद पर बैठा व्यक्ति कम से कम अपने निर्णयों में, उम्र का लिहाज करने से भी संचालित नहीं हो सकता है। उस पर, जब स्पीकर ओम बिड़ला प्रधानमंत्री के लिए बड़े के विशेषण का प्रयोग करते हैं, तो वास्तव में वह सिर्फ आयु से बड़े की ओर ही नहीं, पद से बड़े की ओर भी इशारा कर रहे होते हैं। लेकिन, सत्ता पक्ष को बड़ा या ऊंचा और विपक्ष को छोटा या नीचा मानकर बरताव करना, क्या स्पीकर का अपनी निष्पक्षता का त्याग करना ही नहीं है। ओम बिड़ला ने स्पीकर के रूप में अपने पहले कार्यकाल में, अपने सत्तापक्ष का सक्रिय हिस्सा बने रहने का ही सबूत दिया था। सत्रहवीं लोकसभा के आखिरी सत्रों में उन्होंने विपक्षी सांसदों के थोक निष्कासन तथा विपक्षी सांसदों के भाषणों के अंश निकालने से लेकर संसद सदस्यता तक खत्म कराने और बिना समुचित चर्चा के ही विधेयक पारित कराने तक के रिकार्ड कायम किए थे। मोदी राज ने इसके लिए ही उन्हें दोबारा स्पीकर का दायित्व देकर पुरस्कृत किया है।

भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुरूप हो इस वर्ष का बजट

प्रह्लाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2024–25 का पूर्णकालिक बजट माननीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा भारतीय संसद में 23 जुलाई 2024 को पेश किया जा रहा है। वर्तमान में भारत सहित विश्व के लगभग समस्त देशों में पूंजीवादी नीतियों का अनुसरण करते हुए अर्थव्यवस्थाएं आगे बढ़ रही हैं। परंतु, हाल ही के वर्षों में पूंजीवादी नीतियों के अनुसरण के कारण, विशेष रूप से विकसित देशों को, आर्थिक क्षेत्र में बहुत भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और यह देश इन समस्याओं का हल निकाल ही नहीं पा रहे हैं। नियंत्रण से बाहर होती मुद्रा स्फीति की दर, लगातार बढ़ता कर्ज का बोझ, प्रौढ़ नागरिकों की बढ़ती जनसंख्या के चलते सरकार के खजाने पर बढ़ता आर्थिक बोझ, बजट में वित्तीय घाटे की समस्या, बेरोजगारी की समस्या, आदि कुछ ऐसी आर्थिक समस्याएं हैं जिनका हल विकसित देश बहुत अधिक प्रयास करने के बावजूद भी नहीं निकाल पा रहे हैं एवं इन देशों का सामाजिक तानाबाना भी छिनभिन्न हो गया है। पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के अंतर्गत चूंकि व्यक्तिवाद हावी रहता है अतः स्थानीय समाज में विभिन्न परिवारों के बीच आपसी रिश्ते केवल आर्थिक कारणों के चलते ही टिक पाते हैं अन्यथा शायद विभिन्न परिवार एक दूसरे से रिश्तों को आगे बढ़ाने में विश्वास ही नहीं रखते हैं। कई विकसित देशों में तो पति–पत्नि के बीच तलाक की दर 50 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है। अमेरिका में तो यहां तक कहा जाता है कि 60 प्रतिशत बच्चों को अपने पिता के बारे में जानकारी ही नहीं होती है एवं केवल माता को ही अपने बच्चे का लालन–पालन करना होता है, जिसके कारण बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित हो रहा है एवं यह बच्चे अपने जीवन में आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं, समाज में हिंसा की दर बढ़ रही है तथा वहां की जेलों में कैदियों की संख्या में तीव्र वृद्धि देखी जा रही है। इन देशों के नागरिक अब भारत की

ओर आशाभारी नजरों से देख रहे हैं एवं उन्हें उम्मीद है कि उनकी आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं का हल भारतीय सनातन संस्कृति में से ही निकलेगा। अतः इन देशों के नागरिक अब भारतीय सनातन संस्कृति की ओर भी आकर्षित हो रहे हैं। भारत में वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात कुछ हद्द तक वामपंथी नीतियों का अनुसरण करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था को विकास की राह पर ले जाने का प्रयास किया गया था। परंतु, वामपंथी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों ने बहुत फलदायी परिणाम नहीं दिए अतः बहुत लम्बे समय तक यह नीतियां आगे नहीं बढ़ सकीं। हालांकि बाद के खंडकाल में तो वैश्विक स्तर पर वामपंथी विचारधारा ही धराशायी हो गई एवं सोवियत रूस कई टुकड़ों में बंट गया। आज तो रूस एवं चीन सहित कई अन्य देश जो पूर्व में वामपंथी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों को अपना रहे थे, ने भी पूंजीवादी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों को अपना लिया है। भारत का इतिहास वैभवशाली रहा है एवं पूरे विश्व के आर्थिक पटल पर भारत का डंका बजा करता था। एक ईसवी से लेकर 1750 ईसवी तक वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत के आसपास बनी रही है। उस समय पर भारतीय आर्थिक दर्शन पर आधारित आर्थिक नीतियों का अनुपालन किया जाता था। मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी, ऋण का बोझ, वित्तीय घाटा, बुजुर्गों को समाज पर बोझ समझना, बच्चों का हिंसक होना, सामाजिक तानाबाना छिनभिन्न होना आदि प्रकार की समस्याएं नहीं पाई जाती थीं। समाज में समस्त नागरिक आपस में भाईचारे का निर्वहन करते हुए खुशी खुशी अपना जीवन यापन करते थे। प्राचीन काल में भारत के बाजारों में विभिन्न वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाता था, जिसके चलते मुद्रा स्फीति जैसी समस्याएं उत्पन्न ही नहीं होती थी। ग्रामीण इलाकों में कई ग्रामों को मिलाकर हाट लगाए जाते थे जहां खाद्य सामग्री एवं अन्य पदार्थों की पर्याप्त उपलब्धता रहती थी, कभी किसी उत्पाद की कमी नहीं रहती थी जिससे वस्तुओं के दाम भी नहीं बढ़ते थे। बल्कि, कई बार तो वस्तुओं की बाजार कीमत कम होती दिखाई देती थी क्योंकि इन वस्तुओं की बाजार में आपूर्ति, मांग की तुलना में अधिक रहती थी। माननीय वित्तमंत्री महोदय को भी देश में मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए बाजारों में उत्पादों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देना चाहिए न कि ब्याज दरों को बढ़ाकर बाजार में वस्तुओं की मांग को कम किए जाने का प्रयास किया जाए। विकसित देशों द्वारा अपनाई गई आधुनिक अर्थशास्त्र की यह नीति पूर्णत असफल होती दिखाई दे रही है और इतने लम्बे समय तक ब्याज दरों को ऊपरी स्तर पर रखने के बावजूद मुद्रा स्फीति की दर वांछनीय स्तर पर नहीं आ पा रही है। भारत को इस संदर्भ में पूरे विश्व को राह दिखानी चाहिए एवं आधुनिक अर्थशास्त्र के मांग एवं आपूर्ति के सिद्धांत को बाजार में वस्तुओं की मांग कम करने के स्थान पर वस्तुओं की आपूर्ति को बढ़ाने के प्रयास होने चाहिए अर्थात आपूर्ति पक्ष पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इससे मुद्रा स्फीति तो कम होगी ही परंतु साथ ही अर्थव्यवस्था में विकास की दर भी और तेज होगी क्योंकि वस्तुओं की आपूर्ति बढ़ते रहने से विनिर्माण इकाईयों में गतिविधियां बढ़ेंगी, रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे।

उर्वशी रौतेला हैदराबाद में अस्पताल में भर्ती, एनबीके 109 के सेट पर हुआ हिप फ्रैक्चर

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला को अपनी आगामी तेलुगु फिल्म 'एनबीके 109' के सेट पर चोट लगने के बाद हैदराबाद में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभिनेत्री को एक हाई–ऑक्टेन सीन की शूटिंग के दौरान फ्रैक्चर हुआ और वर्तमान में उसका इलाज चल रहा है। उर्वशी की टीम ने पुष्टि की है कि उन्हें इंटरट्रोकैनटेरिक हिप फ्रैक्चर हुआ है और हैदराबाद में एक चिकित्सा सुविधा में उनका सर्वोत्तम संभव उपचार किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, उनके बयान के अनुसार, अभिनेत्री के माता–पिता ने उनकी चोट को लेकर फिल्म निर्माताओं के प्रति अपना गुस्सा व्यक्त किया है।

बॉबी कोली द्वारा निर्देशित, बिना शीर्षक वाली यह फिल्म उद्योग में काफी चर्चा बटोर रही है। नंदमुरी बालकृष्ण और उर्वशी के अलावा, हाई–ऑक्टेन फिल्म में बॉबी देओल भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। फिल्म निर्माता ने सेट पर अभिनेता का स्वागत करने के लिए उनके साथ एक तस्वीर साझा की। इससे पहले, इंडिया टुडे.इन को एक्सक्लूसिव तौर पर पता चला था कि बॉबी देओल को नंदमुरी बालकृष्ण की 'एनबीके 109' में खलनायक की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। थमन एस को फिल्म के लिए संगीत तैयार करने का काम सौंपा गया है। उल्लेखनीय है कि यह प्रोजेक्ट पवन कल्याण की श्हरि हर वीरा मल्लूश के बाद तेलुगु सिनेमा में बॉबी देओल की दूसरी फिल्म होगी, जिसकी शूटिंग फिलहाल रोक दी गई है क्योंकि अभिनेता लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार में व्यस्त थे।

> “ अभिनेत्री को एक हाई-ऑक्टेन सीन की शूटिंग के दौरान फ्रैक्चर हुआ और वर्तमान में उसका इलाज चल रहा है। उर्वशी की टीम ने पुष्टि की है कि उन्हें इंटरट्रोकैनटेरिक हिप फ्रैक्चर हुआ है और हैदराबाद में एक चिकित्सा सुविधा में उनका सर्वोत्तम संभव उपचार किया जा रहा है।

ट्रोलिंग पर बोले इमरान हाशमी, कहा– इसे गंभीरता से न लें

बॉलीवुड में सीरियल किसर के नाम से मशहूर एक्टर इमरान हाशमी ने सोशल मीडिया की कठोर वास्तविकताओं के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने लोगों को सलाह देते हुए कहा कि वह ट्रोलिंग को गंभीरता से न लें। वेब सीरीज शोटाइम में रघु खन्ना की भूमिका निभाने वाले इमरान ने कहा, मुझे लगता है कि इसमें दो तरह की विचारधाराएं हैं, कुछ कलाकार अपनी जिंदगी को दिलचस्प बनाने के लिए सब कुछ सार्वजनिक करना चाहते हैं और वहीं कुछ चीजों को देखने का एक खास नजरिया रखना पसंद करते हैं और वे चाहते हैं कि उनकी निजी जिंदगी निजी ही रहे और मैं भी इसी तरह की ही सोच रखता हूं। हालांकि, इनमें से कोई भी सही या गलत नहीं है। इमरान का मानना है कि सोशल मीडिया कभी–कभी दखलंदाजी का कारण बन सकता है, लेकिन वह इसे कोई बड़ा मुद्दा नहीं मानते। उन्होंने कहा, मेरे साथ कभी ऐसा नहीं हुआ कि चीजें दखल देने वाली हो गई हों, चीजें अभी तक खराब नहीं हुई हैं। मुझे लगता है कि प्रेस भी बेहद विनम्र रहा है। अपने करियर के 20 सालों में मैंने कभी इस तरह की स्थिति का सामना नहीं किया, जहां उन्होंने मेरी निजता में बहुत दखल दिया हो। लेकिन मुझे यकीन है कि कुछ कलाकारों के साथ ऐसा हुआ है, और जहां तक ट्रोलिंग की बात है, तो शुक्र है कि मुझे उस हद तक ट्रोल नहीं किया गया है। इमरान ने कहा, लेकिन हां, ट्रोलिंग एक सच्चाई है। मुझे लगता है कि यह सिर्फ ऐसे लोग हैं, जो आलोचना करना पसंद करते हैं और उन्हें दुनिया से कुछ न कुछ लेना–देना होता है, इसलिए मुझे लगता है कि आपको इसे बहुत गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। सुमित रॉय द्वारा निर्मित इस शो का निर्देशन मिहिर देसाई और अर्चित कुमार ने किया है। शोटाइम में इमरान हाशमी, महिमा मकवाना, मौनी रॉय, राजीव खंडेलवाल, श्रेया सरन, विशाल वशिष्ठ, नीरज माधव और विजय राज शामिल हैं। शोटाइम के सभी एपिसोड 12 जुलाई से डिज्नी प्प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाले हैं।

मानसून में चाय संग पकौड़ों का लुत्फ उठाती हैं एक्ट्रेस सुम्बुल तौकीर

एक्ट्रेस सुम्बुल तौकीर को मानसून सीजन बेहद पसंद है। सुम्बुल को बारिश के दिनों में परिवार और करीबी दोस्तों संग गर्म चाय, पकौड़ों संग मैगी खाना बहुत अच्छा लगता है। बारिश के प्रति अपने प्यार के बारे में बात करते हुए सुम्बुल ने कहा, बारिश में कुछ खास होता है। बारिश में परिवार और करीबी दोस्तों के साथ चाय, पकौड़े और मैगी का आनंद लेना सबसे अच्छा लगता है। जब सेट पर बारिश होती है,तो पूरी टीम एक साथ मस्ती करती है। हमें सेट पर पकौड़े भी खाने को मिलते हैं। बारिश में भीगने का एक अलग ही मजा है। यह मुझे मेरी बहन सानिया के साथ बिताए बचपन के दिनों की याद दिलाता है, जब हम साथ में भीगते थे। सुम्बुल ने पर्यावरण के बारे में भी चिंता व्यक्त की और कहा कि बारिश की कमी और जलवायु परिवर्तन गंभीर समस्याएं हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि केवल हम इंसान ही बदलाव ला सकते हैं। हमें पानी बचाने, अधिक पेड़ लगाने और प्लास्टिक का उपयोग करने से बचने की जरूरत है। प्रकृति हमें हील करती है, लेकिन अगर हम इसे नहीं बचाएंगे, तो हम प्रकृति का आशीर्वाद नहीं ले पाएंगे और हील भी नहीं हो पाएंगे। मेरे पिता ने हमारे घर की बालकनी पर एक छोटा सा बगीचा बनाया है, और हर सुबह वहां बहुत ताजगी महसूस होती है। हम पौधों के पास बैठते हैं। मुझे बालकनी पर अपनी किताबें पढ़ना भी पसंद है। हर मुश्किल का हल अकबर बीरबल और जोधा अकबर में एक बच्चे के रूप में सहायक भूमिकाओं के साथ अपने करियर की शुरुआत करने वाली युवा एक्ट्रेस ने इंडियाज डांसिंग सुपरस्टार्स और हिंदुस्तान का बिग स्टार जैसे डांस रियलिटी शो में भी भाग लिया है।

सुम्बुल ने आहट, गंगा, बालवीर और मन में विश्वास है जैसे शो में बतौर बाल कलाकार एक्टिंग की है। वह वारिस, चक्रधारी अजय कृष्ण, चंद्रगुप्त मौर्य और इशारों इशारों में जैसे शो में भी दिखाई दी हैं। 2020 में सुम्बुल ने गश्मीर महाजनी, फहमान खान और मयूरी देशमुख के साथ शो इमली में मुख्य भूमिका निभाई थी। वह वर्तमान में सोनी पर प्रसारित होने वाले शो काव्या–एक जज्बा, एक जुनून में मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी में नेगेटिव रोल निभाएंगी सत्यमवदा सिंह

टीवी एक्ट्रेस सत्यमवदा सिंह नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी शो में नेगेटिव रोल में नजर आएंगी। वह जीनत का किरदार निभाएंगी। एक्ट्रेस चांद जलने लगाश सीरियल की भूमिका के लिए घर–घर में जानी जाती हैं। सत्यमवदा ने कहा, मैं जीनत का किरदार निभाने के लिए एक्साइटेड हूं। वह मजाकिया, खूबसूरत और मनमौजी लड़की है। यह कॉमिक टाइमिंग वाला एक नेगेटिव रोल है। मैं इस तरह के किरदार का लंबे समय से इंतजार कर रही थी। एक्ट्रेस ने कहा कि वह इस नए सफर को एक्सप्लोर करने के लिए एक्साइटेड हैं। सत्यमवदा ने बताया कि वह फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी द डायमंड बाजार में सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, अदिति राव हैदरी, संजीदा शेख और शर्मिन सहगल जैसे किरदारों को निभाना चाहती हैं। उन्होंने आगे कहा, संजय लीला भंसाली सर की हीरामंडी देखने के बाद, मैंने स्क्रीन पर एक मुस्लिम महिला का किरदार निभाने का मन बनाया। मेरी एक और इच्छा है कि मैं उनके प्रोजेक्ट में लीड रोल निभाऊं। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि मुझे टीवी शो में एक मुस्लिम महिला की भूमिका निभाने का मौका मिलेगा। इससे पहले, मैंने गुलजार सर के नाटक में एक मुस्लिम किरदार अदा किया था, इसलिए मुझे यकीन है कि मैं इस नए किरदार को शानदार ढंग से निभा पाऊंगी। नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी में चाहत पांडे, अलीशा पंवार और रेयांश वीर चड्ढा भी हैं। अपकमिंग एपिसोड बलूचिस्तान, पाकिस्तान पर बेस्ड होने के कारण एक नया मोड़ लेने वाला है। एक्ट्रेस की बात करें तो सत्यमवदा सिंह ने मॉडलिंग के साथ अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने ग्लैडरैग्स मेगा मॉडल, मिस कल्चर वर्ल्ड इंडिया, मिस उत्तर प्रदेश और मिस दिल्ली जैसे ब्यूटी सौंदर्य कॉम्पिटिशन जीते। इसमें मोस्ट फोटोजेनिक खिताब भी शामिल है। उन्होंने 2014 में शो लापतागंज के साथ अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी फिर चिड़िया घर और कृष्ण कन्हैया जैसे अन्य टीवी सीरियल्स में भी अहम भूमिका निभाई थी।

अली के गुड्डू भैया व ऋचा की भोली पंजाबन का मजेदार मैशअप, वीडियो वायरल

ऋचा चड्ढा और अली फजल फिल्म इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। इन दोनों की ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन जोड़ी को दर्शक काफी पसंद करते हैं। यह कपल जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाला है। इस बीच ऋचा और अली ने एक मजेदार वीडियो शेयर किया। ऋचा अपने पहले बच्चे का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फरवरी में, दोनों स्टार्स ने अपने बच्चे के आने की घोषणा की थी। बता दें कि ऋचा चड्ढा ने साल 2022 में परिवार और दोस्तों के मौजूदगी में अली फजल के साथ शादी की। दोनों की मुलाकात साल 2012 में फिल्म फुकरे के सेट पर हुई थी। इस दौरान दोनों की दोस्ती हुई, जो प्यार में बदल गई। एक इंटरव्यू में ऋचा ने बताया कि दोनों में से सबसे पहले प्यार का इजहार उन्होंने ही किया था और अली ने तीन महीने के बाद हां में जवाब दिया था। दोनों ने लंबे वक्त तक अपने रिश्ते को सीक्रेट रखा था। मालदीव ट्रिप के दौरान अली ने ऋचा को शादी के लिए प्रपोज किया था। दोनों ने 2020 में कोरोना लॉकडाउन के दौरान स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी की, और 4 अक्टूबर 2022 को कपल ने रीति–रिवाजों के अनुसार धूमधाम से लखनऊ में शादी की। इसी साल फरवरी में ऋचा और अली ने अपने फैंस के साथ गुड न्यूज शेयर की कि वे पहली बार पेरेंट्स बनने वाले हैं।

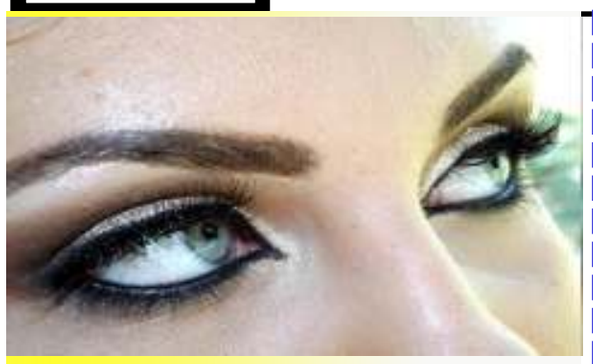

गर्मी में फैल जाता है आंखों में लगा काजल, तो फॉलों करें ये टिप्स

रोजाना ऑफिस जाना हो या चाहे किसी पार्टी में जाना हो, तो मेकअप करना तो आम बात है। प्रतिदिन आप हैवी मेकअप तो नहीं करते हैं लेकिन हल्का–फुल्का मेकअप तो जरुर करते हैं। हल्के–फुल्के मेकअप जैसे काजल और लिपस्टिक को लगाना हम ज्यादातर पसंद करते हैं। लेकिन जब हम आंखों में काजल लगाते हैं तो गर्मी में वो फैलने लगता है। इसलिए आज हम आपको कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं, जो आपको जरुर फॉलो करना चाहिए।

कंसीलर और पाउडर से कैसे सेट करें काजल

– आंखों में लगा काजल हर समय फ्रेश नजर आए और फैले नहीं, तो आप काजल लगाने से पहले अपनी ऊंगली की टिप पर थोड़ा सा कंसीलर और लूज पाउडर को लें।

– इसके बाद आप दोनों को मिक्स करके आंखों के नीचले हिस्से पर लगा लें।

– दोनों को मिक्स करके लगाने के बाद आप ब्यूटी ब्लेंडर की मदद से इसे ब्लेंड कर लें।

– ब्लेंड करने के लिए आप हल्के हाथों के दबाव का इस्तेमाल करें।

– इसके बाद आप इसे लूज पाउडर की मदद से सेट कर लें।

– सेट करने के बाद आप आंखों की वॉटर लाइन पर आसानी से काजल लगा लें।

चुनें बेस्ट काजल?

आंखों में लगे काजल को फैलने से बचने के लिए आप सबसे पतली टिप वाले काजल पेन या पेंसिल का इस्तेमाल कर सकती हैं। ध्यान रहे कि काजल या कोई भी मेकअप प्रोडक्ट आप लोकल ब्रांड का न खरीदें बल्कि किसी अच्छी ब्रांड वाले प्रोडक्ट को ही चुनें।

आंखों को कैसे दे फ्लॉलेस काजल लुक

काजल लगाते समय कई बार आईलैश पर प्रोडक्ट लग जाता है, बाद में पलके झपकाते समय आंखों में लगे काजल को बाहर की ओर फैला देता है। बता दें कि इससे बचने के लिए आप काजल लगाते ही टिश्यू या कॉटन पैड का इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसा करने से आपकी आंखें काजल लगाने के बाद काफी खूबसूरत दिखेंगी।

घर पर बनाएं क्रिस्पी और टेस्टी दही के शोले, नोट करें आसान रेसिपी

अगर आप के बच्चे भी घर पर रोजाना वही पुराना स्नैक्स खाकर बोर हो गए हैं, तो आप इस नई रेसिपी को घर पर जरुर ट्राई करें। घर पर आसानी से बनाएं टेस्टी और स्वादिष्ट दही के शोले। यह एक ऐसा स्नैक है दही की फिलिंग के साथ बनाया जाता है और यह खाने में बेहद ही मजेदार होता है। घर में एक बार इसे बना लिया तो आपके बच्चे बार–बार दही के शोले घर पर बनवाएंगे। चलिए आपको रेसिपी बताते हैं।

दही के शोले की सामग्री

–दही – 800 ग्राम/ 5 कप
–प्याज कटा हुआ –3 बड़े चम्मच
–शिमला मिर्च, कटी हुई– 2 बड़े चम्मच
–अदरक कटा हुआ –) बड़ा चम्मच
–हरी मिर्च कटी हुई – 1
–धनिया कटा हुआ – 2 बड़े चम्मच
–नमक स्वादानुसार
–काला नमक –) छोटा चम्मच
–पनीर, कसा हुआ – कप
–भुना जीरा पाउडर– 2 चम्मच
काली मिर्च पाउडर –) छोटा चम्मच
–सफेद ब्रेड – 26 स्लाइस
–तेल– तलने के लिए

दही के शोले बनाने का तरीका

– दही के शोले के लिए, दही को किसी छलनी या कपड़े में लटका कर कम से कम 4 घंटे के लिए रख दीजिए, ताकि दही का पानी निकल जाये और हमें गाढ़ा दही मिल जाए।

– हंग कर्ड में थोड़ा कटा हुआ प्याज, कटी हुई शिमला मिर्च, कटा हुआ अदरक, कटी हुई हरी मिर्च, कटा हरा धनिया, काला नमक, नमक, भुना जीरा पाउडर, काली मिर्च पाउडर और कसा हुआ पनीर डालकर अच्छी तरह मिला लें और यह मिश्रण तैयार है।

– अब दो ब्रेड स्लाइस लें और उसे बेलन की मदद से चपटा कर लें। फिर एक प्लास्टिक शीट लें और ब्रेड स्लाइस को शीट पर एक तरफ से दूसरे स्लाइस को ओवरलैप करते हुए रखें।

– अब इस मिश्रण को दूसरी ब्रेड स्लाइस के ऊपर तिरछा रखें और फिर ब्रेड को मोड़ दें। फिर दूसरी ब्रेड को भी मोड़ लें और प्लास्टिक शीट को टॉफी रैप की तरह रोल कर लें। सभी दही के शोले के साथ भी ऐसा ही करें।

– गरम तेल में बेले हुए दही के शोले को हल्का सुनहरा होने तक तल लीजिए।

–स्वादिष्ट और क्रिस्पी दही के शोले तैयार हैं। किसी भी प्रकार की चटनी या डिप के साथ आनंद लें!

मानसून में भूलकर भी इन चीजों का न करें सेवन, वरना हो सकती है मुसीबत

बारिश का मौसम अपने साथ कई तरह की बीमारियां लेकर आता है। इस मौसम में इंफेक्शन बहुत ही जल्दी फैलता है। इसलिए इस दौरान अपने खाने–पीने का खास ध्यान रखना चाहिए। बरसाती मौसम में ऐसी चीजें नहीं खानी चाहिए जो सेहत खराब करे। बरसाती मौसमें में सब्जियों और फलों में भी छोटे–छोटे कीड़े आने लगते हैं ऐसे में इनका सेवन करने से पहले अच्छे से चेक भी जरुर कर लेना चाहिए। आज आपको बताते हैं कुछ ऐसी चीजें जिनका सेवन बरसाती मौसम में बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

हरी पत्तेदार सब्जियां

बरसाती मौसम में तापमान में नमी होने के कारण बैक्टीरिया भी बहुत जल्दी आते हैं। खासकर हरी पत्तेदार सब्जियां पर यह बैक्टीरिया जमने लगते हैं ऐसे में इनका सेवन करने से पेट में इंफेक्शन हो सकता है। इसलिए इस मौसम में पालक, मेथी के पत्ते, पत्तागोभी, फूलगोभी जैसी सब्जियों से दूरी बनाएं। इनकी जगह आप करेला, घिया, तोरी और टिंडा जैसी सब्जियां अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

सलाद

इस मौसम में सलाद भी न खाएं। सलाद खाने बनाने के लिए कच्चे पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं इनमें जीवाणु और बैक्टीरिया बहुत जल्दी आते हैं। इसलिए इस दौरान कच्चा सलाद न खाएं। कच्चे सलाद की जगह आप पकी हुई सब्जियों का सेवन कर सकते हैं। सब्जियों को पकाने से उनमें मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया खत्म होने लगते हैं।

फ्रिजी ड्रिंक्स

फ्रिजी चीजों का सेवन भी बरसाती मौसम में करें। गर्मी और उमस भरे मौसम में फ्रिजी ड्रिंक्स का सेवन सही साबित होता है वहीं फ्रोजन फूड्स भी बनाने आसान होते हैं और इनका स्वाद भी अच्छा होता है। परंतु बारिश के मौसम में यह आपके पेट में इंफेक्शन का कारण बन सकते हैं। इसलिए इस मौसम में फ्रिजी ड्रिंक्स की जगह नींबू पानी, जलजीरा जैसी हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स का सेवन करें।

दही ना खाएं

मानसून में दही भी नहीं खाना चाहिए। इस मौसम में इसका सेवन शरीर के लिए हानिकारक होता है क्योंकि यह ठंडी होती है और इस दौरान यह साइनसाइटिस जैसी समस्या को बढ़ा सकती है। इसके अलावा दही खाने से इस दौरान पेट से जुड़ी परेशानियां हो सकती है और पेट खराब भी हो सकता है। इसलिए बारिश के मौसम में दही खाने से परहेज करें।

बाहर का खाना न खाएं

मानसून में स्ट्रीट फूड और स्टॉल का खाना भी न खाएं। बरसाती मौसम में बैक्टीरिया और फंगस होने के कारण इन फूड्स में बैक्टीरिया जा सकते हैं। इसके अलावा बाहरी जूस भी इस मौसम में पीने से टाइफाइड, उल्टी और दस्त जैसी परेशानियां खड़ी हो सकती हैं। इसलिए बरसाती मौसम में जूस न पीएं।

चाय में रोज मिलाएं एक चुटकी नमक, शरीर को मिलेंगे कई गजब के फायदे

भारत में चाय पीना–पिलाना संस्कृति का हिस्सा है। चाय के शौकीन ना तो कभी मौसम देखते हैं और ना ही कोई वक्त देखते हैं। लोग सुबह ही नहीं बल्कि दोपहर, शाम और यहां तक कि सोने से पहले भी चाय पीना पसंद करते हैं। आम तौर पर दूध वाली चाय का प्रचलन है। चाय एक ऐसी दिलचस्प चीज है, जिसे लोग हर समय पीना पसंद करते हैं। बहुत से लोग तो अपनी सुबह की शुरुआत चाय के साथ ही करना पसंद करते हैं। जिसमें दूध वाली चाय, नींबू वाली चाय, हरी चाय आदि शामिल हो सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे इस चाय को और ज्यादा स्वादिष्ट और सेहतमंद बनाने का तरीका।

अपनी चाय में बस एक चुटकी नमक डाले

जी हां नमक वाली चाय आपकी सेहत के लिए एक कवच की तरह काम करती है। अगर आप रोजाना अपनी चाय में एक चुटकी नमक डालकर पीते हैं, तो आपकी सेहत को कई गजब के फायदे मिल सकते हैं। वहीं अगर आप चाय पीने के शौकीन हैं, तो ऐसे में आपके लिए यह जानना बहुत जरूरी है। ताकि आप चाय के साथ अपने शौक और सेहत दोनों में अच्छा सुधार कर सकें। आइए जानते हैं, चाय में एक चुटकी नमक डालकर पीने से सेहत को क्या और कितने फायदे मिलते हैं।

पचन क्रिया मजबूत करे

नमक का इस्तेमाल आपकी पाचन क्रिया को मजबूत बना सकता है। अगर आपको डाइजेशन संबंधी कोई समस्या है, तो आप रोजाना इसका सेवन कर सकते हैं। यह डाइजेशन के साथ–साथ पेट में होने वाले हर तरह के संक्रमण से भी बचाने में मदद कर सकता है।

इम्यून सिस्टम में सुधार

अगर आप रोजाना चाय में एक चुटकी नमक डालकर पीते हैं, तो इससे आपका इम्यून सिस्टम मजबूत हो सकता है। जो आपको कई तरह की बीमारियों के संक्रमण से बचाने में मदद करेगा है। इसलिए अगर आप रोज चाय पीना पसंद करते हैं, तो उसमें एक चुटकी नमक डालने की आदत को जरूर शामिल करें।

माइग्रेन ठीक करें

नमक का सेवन आपके माइग्रेन की समस्या को भी कम कर सकता है। इसके अलावा यह दिमाग को रिलैक्स और स्ट्रेस फ्री रखने में मददगार साबित हो सकता है।

भूख बढ़ाये

भूख बढ़ाने के लिए नमक सबसे अच्छा विकल्प माना जाता है। जी हां, जैसा कि मैंने बताया कि यह पाचन को बढ़ावा देने का काम करता है। इसलिए अगर आपका पाचन ठीक से काम करेगा तो आपको समय पर भूख भी लगेगी। जिससे आपकी भूख न लगने की समस्या कम हो सकती है।

स्किन को हेल्दी रखे

नमक में जिंक तत्व मौजूद होता है, जो आपकी स्किन को हेल्दी रखने में मदद करता है। अगर आप चाय में रोज एक चुटकी नमक डालकर पीते हैं, तो इससे आपकी स्किन में झुर्रियां, और एक्ने जैसी समस्याएं कम हो सकती हैं। अगर अपनी स्किन को लंबे समय तक हेल्दी रखना चाहते हैं, तो चाय को इस तरह से पीने की आदत डाल सकते हैं।

हाइड्रेट करें

नमक एक तरह का नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट पदार्थ है, जो शरीर में हाईड्रेशन की समस्या को कम करने में मददगार साबित होता है। अगर आप अपनी रोज वाली चाय में एक चुटकी नमक को एड करते हैं, तो आप हाइड्रेटेड रहकर खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। नमक का इस्तेमाल आपकी सेहत को कई तरह से फायदेमंद साबित हो सकता है। लेकिन इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि इसका अधिक सेवन आपके लिए नुकसानदायक भी हो सकता है। इसलिए इसके अधिक सेवन से खुद को बचाएं।

गलत खानपान से कमजोर हो सकती है याददाश्त, डाइट में जरूर शामिल करें ये विटामिन्स

कई लोगों की याददाश्त कमजोर हो जाती है, जिसके कारण वह अपनी चीजों को भूलने लगते हैं। ऐसे में एक सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसा क्यों होता है। तो बता दें कि याददाश्त कमजोर होने का संबंध आपके खानपान से हो सकता है। डाइट में विटामिन की कमी से याददाश्त कमजोर होने लगती है। ऐसे में अगर आप भी चीजों के बारे में भूलने लगे हैं और आपको लगता है कि आपकी याददाश्त कमजोर हो रही है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि भूलने की बीमारी को दूर भगाने के लिए किस तरह की डाइट लेनी चाहिए और विटामिन की याददाश्त से क्या संबंध है।

पौष्टिक आहार

स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक आहार लेना बेहद जरूरी होता है। इसलिए डॉक्टर भी सलाह देते हैं कि विटामिन और मिनरल्स से भरपूर फूड्स को डाइट में शामिल करना चाहिए। क्योंकि शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने पर आपको कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वहीं शरीर में पौष्टिक तत्वों की कमी होने पर इसका असर आपकी याददाश्त पर भी पड़ता है।

न होने दें विटामिन की कमी

बता दें कि शरीर में विटामिन की कमी होने पर कमजोरी, चक्कर आना, थकान, एनर्जी लो होना और नजर का कमजोर होना आदि समस्याएं हो सकती हैं। लंबे समय तक शरीर में विटामिन की कमी होने पर इसका मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर देखने को मिलता है। विटामिन डी और बी12 की कमी का असर न सिर्फ व्यक्ति के शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी देखने को मिलता है। इन दोनों विटामिन की कमी होने पर याददाश्त का कमजोर होना, एकाग्रता में कमी, तनाव, चिड़चिड़ापन आदि बढ़ने लगता है।

विटामिन बी12 की कमी

शरीर में विटामिन बी 12 की कमी होने पर डीएनए, लाल रक्त कोशिकाओं और न्यूरोट्रांसमीटर फंक्शन के उत्पादन के लिए जरूरी है। इसकी कमी होने पर संतुलन में कमी, चलने में समस्या, थकान, एनीमिया, हाथ–पैरों का सुन्न होना, जीभ में सूजन और याददाश्त कमजोर होने जैसी समस्या हो सकती है। विटामिन बी12 की कमी को पूरा करने के लिए मछली, चिकन, दूध, दही जैसे जैसे मिल्क प्रोडक्ट्स को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। आप चाहें तो डॉक्टर की सलाह पर विटामिन बी12 सप्लीमेंट या बी12 युक्त मल्टीविटामिन का भी सेवन कर सकते हैं।

विटामिन डी की कमी

हड्डियों को मजबूत बनाने में विटामिन डी का अहम रोल होता है। शरीर में इस विटामिन की कमी से हड्डियों में दर्द, बालों का झड़ना, मूड स्विंग, डिप्रेशन, थकान, घाव का धीमी गति से भरना और याददाश्त कमजोर होने जैसी समस्या हो सकती है। विटामिन डी हड्डियों को मजबूत बनाने के साथ–साथ मांसपेशियों और तंत्रिका प्रणाली को सुचारू रूप से कार्य करने में सहायक होता है। यदि लंबे समय तक शरीर में इस विटामिन की कमी होती है, तो इससे हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। वहीं शरीर में कैल्शियम की कमी होने पर उंगलियों में झुनझुनी या सुन्नपन हो सकता है। वहीं इसकी कमी होने पर हृदय गति अनियमित हो सकती है। विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए आप अपनी डाइट में दूध और दूध से बनी चीजें, रागी, बाजरा, मछली, अंडे, तिल, हरी पत्तेदार सब्जियां और दालें आदि को शामिल कर सकते हैं। साथ ही सुबह के समय कुछ देर के लिए धूप जरूर लेनी चाहिए। क्योंकि सूर्य की रोशनी विटामिन डी का अच्छा स्त्रोत होता है।

फोलिक एसिड की कमी

फोलिक एसिड को फोलेट भी कहा जाता है। प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए यह एक जरूरी विटामिन बी है। यह न सिर्फ मां बल्कि गर्भ में पलने वाले बच्चे के स्वास्थ्य के लिए भी काफी जरूरी है। क्योंकि फोलेट की कमी के कारण बच्चों में कोशिका बनने में कमी, बड़ी लाल रक्त कोशिकाएं और न्यूरल ट्यूब दोष जैसे समस्या हो सकती है। वहीं इसकी कमी से चिड़चिड़ापन, थकान, खराब शारीरिक और मानसिक विकास और दस्त आदि के लक्षण दिखने लगते हैं। इसलिए हेल्थ एक्सपर्ट की सलाह के हिसाब से आप फोलिक सप्लीमेंट का सेवन कर सकती हैं।

आयरन की कमी

लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन के लिए आयरन बेहद अहम माना जाता है। शरीर में आयरन की कमी होने पर लाल रक्त कोशिकाओं में कमी आती है। जिसके कारण व्यक्ति को एनीमिया जैसी बीमारी हो सकती है। प्रेग्नेंट महिलाओं, हैवी पीरियड्स और शाकाहारी भोजन करने वाले लोगों में आयरन की कमी की आशंका अधिक होती है।

फाइजर और मेदांता हॉस्पिटल ने वयस्कों के टीकाकरण के लिए लखनऊ में खोला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

लखनऊ, एजेंसी। फाइजर इंडिया और मेदांता हॉस्पिटल ने लखनऊ के मेदांता अस्पताल में वयस्क टीकाकरण के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) खोलने के लिए सहयोग किया है। इस सीओई का उद्देश्य टीकाकरण से बचाव वाली बीमारियों के लिए वयस्क टीकाकरण सेवाएं उपलब्ध कराना है। उनमें न्यूमोकोकल रोग, इन्फ्लूएंजा, ह्यूमन पेपिलोमावायरस (एचपीवी) और हेपेटाइटिस ए और बी, जैसी बीमारियां शामिल हैं। भारत में टीकाकरण से बचाव की जाने वाली बीमारियों से होने वाली 95: मौतें वयस्कों में होती है। लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए वयस्कों के टीके प्रभावी, विज्ञान समर्थित हैं, फिर भी देश में इसकी स्वीकारोक्ति काफी कम है। ये सीओई चिकित्साकर्मियों को समय पर वयस्क टीकाकरण के वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित

फायदों और आवश्यकता के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देने में अहम भूमिका निभा पाएगा। खासकर जिन लोगों को ज्यादा जोखिम है जैसे फेफड़े की क्रॉनिक समस्या (सीओपीडीडी एवं अस्थमा), डायबिटीज, क्रॉनिक हृदय रोग, क्रॉनिक किडनी रोग और इम्युन को प्रभावित करने वाली अन्य समस्याओं से पीड़ित लोगों के लिए ऐसा करना ज्यादा महत्वपूर्ण है। ऐसे लोग जिन्हें धूम्रपान, प्रदूषण का खतरा है या फिर जिनकी उम्र 50 वर्ष या उससे अधिक है उनके लिए भी सुरक्षात्मक कदम के रूप में चिकित्साकर्मियों के साथ वयस्क टीकाकरण के बारे चर्चा करने से लाभ मिलेगा। डॉ. राकेश कपूर, मेडिकल डायरेक्टर एवं डायरेक्टर यूरोलॉजी एवं किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी, मेदांता सुपर स्पेश्यिलिटी अस्पताल, लखनऊ ने कहा, "मेदांता अस्पताल में हम रोगों की रोकथाम और टीकाकरण के मामले में आगे रहने की कोशिश करते हैं। टीकाकरण केवल बचपन में ही नहीं, पूरे जीवनकाल के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इससे विशेषरूप से कमजोर समूहों को ज्यादा लाभ मिलता है जैसे क्रॉनिक बीमारियों से पीड़ित लोगों और बुजुर्गों को। इस नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का खुलना रोगियों को बेहतरीन क्वालिटी की देखभाल प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता में सुधार दर्शाता है। फाइजर के साथ इस साझेदारी के माध्यम से हम वयस्क टीकाकरण को बढ़ावा देना चाहते हैं। हम अपने समाज को टीकाकरण से बचाव वाली बीमारियों से बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहते हैं।" इस बारे में डॉ. रुचिता शर्मा एवं डॉ. साक्षी मनचंदा, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, मेदांता सुपर स्पेश्यिलिटी अस्पताल, कहती हैं, "सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ना केवल महत्वपूर्ण टीकाकरण सेवाएं उपलब्ध कराएगा, बल्कि अपने रोगियों को वयस्क टीकाकरण के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने और उनकी चिंताओं को दूर करने में अहम भूमिका निभाएगा।" ये सीओई रोगी की जानकारी बढ़ाने और रोगियों के मन में उठने वाली शंकाओं का निराकरण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही टीकाकरण जैसी जन स्वास्थ्य सुविधाओं से मिलने वाले दीर्घकालिक लाभों के बारे में भी प्रमुखता से जानकारी प्रदान करेगा। इस पहल के अंतर्गत व्यापक प्रशिक्षण मॉड्यूल और क्षमता–निर्माण के प्रयास शामिल होंगे। इसे फिर वयस्क टीकाकरण के लिए बताए गए दिशानिर्देशों और प्रोटोकॉल की जानकारी से जोड़ दिया जाएगा। डॉ. संतोष तौर, डायरेक्टर, मेडिकल मामले, फाइजर वैक्सीन्स, कहते हैं, "मेदांता अस्पताल के साथ हमारी साझेदारी, वयस्क टीकाकरण की पहुंच का विस्तार करता है। साथ ही सुरक्षात्मक स्वास्थ्य को लेकर हमारे संकल्प को मजबूती प्रदान करता है। इसके साथ ही टीकाकरण से बचाव वाले सर्वव्यापी रोगों, खासकर श्वसन के संक्रमणकारी रोगों से मजबूत सुरक्षा सुनिश्चित करता है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना देश के स्वास्थ्य प्रणाली में सहयोग देने के हमारे प्रयासों की महत्वपूर्ण उपलब्धि का प्रमाण है। विशेषरूप से टीकाकरण को लेकर स्वास्थ्यसेवा से जुड़े जागरूक निर्णय लेने की स्थिति में ये सेंटर चिकित्साकर्मियों और रोगियों को महत्वपूर्ण जानकारियों से लैस करता है।"

पौधारोपण यज्ञ के समान पुनीत कार्य : मनीष

विद्यालय में शिक्षक और बच्चों ने किया पौधारोपण

करछना।पौधारोपण यज्ञ के समान पुनीत कार्य है। हमारे

पर्यावरण के संतुलन के साथ साथ परिवेश को स्वच्छ बनाए रखने के लिए हम सब को चाहिए कि प्रतिवर्ष एक पौधे का रोपण करें। इतना ही नहीं उसे बड़ा होने तक खाद पानी देकर संजोना भी बहुत जरूरी है।यह बातें बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज रामपुर में बुधवार को 16 यूपी एनसीसी बटालियन प्रयागराज द्वारा प्रदत्त पौधों के रोपण के पूर्व प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने कही। उन्होंने सभी बच्चों से घर पर एक–एक पौधे लगाने का संकल्प भी दिलाया। एनसीसी अधिकारी रमेश चंद्र तिवारी ने भी पौधरोपण करते हुए बच्चों को उसके प्रति प्रेरित किया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षकों और बच्चों ने आम, जामुन, नीम,आंवला,चितवन समेत कई छायादार और फलदार पौधों का रोपण किया गया। पौधारोपण कार्य में विद्यालय के शिक्षक कर्मचारी और बच्चे भी मौजूद रहे।

यूट्यूबर एल्विश यादव की बढ़ीं मुश्किलें, ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामलें में भेजा समन

लखनऊ, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यूट्यूबर सिद्धार्थ यादव उर्फ एल्विश यादव को उसके द्वारा आयोजित पार्टियों में नशे के लिए सांप के जहर के संदिग्ध इस्तेमाल से जुड़े धनशोधन के एक मामले में पूछताछ के लिए 23 जुलाई को तलब किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी।सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय एजेंसी ने मई में मामला दर्ज किया था और उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) जिले में पुलिस द्वारा एल्विश यादव और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज एक प्राथमिकी और आरोप पत्र का संज्ञान लेने के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आरोप लगाए थे। सूत्रों ने बताया कि एल्विश यादव को इस सप्ताह ईडी के लखनऊ कार्यालय के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया था लेकिन उन्होंने अपनी विदेश यात्रा और पेशेवर प्रतिबद्धताओं के कारण मोहलत मांगी थी।

दम्भों वाले राजमहल में कब किसको सम्मान मिला है ?

दम्भों वाले राजमहल में कब किसको सम्मान मिला है ?
सरे आम नीलाम जो कर दे वह मुझको यजमान मिला है ।
मैं पावन गंगा जल जैसी पर मेरा मन आंचल मैला।
मुझ पर कीच उछालेगा क्या श्वेत वसन वाला गुबरैला ।
मैं स्वभाव से शुद्ध सरल हूं प्रतिकुलों के लिए गरल हूं ।
संघर्षों के प्रति प्रांगण में हर दुश्मन बलवान मिला है।
दम्भो वाले राजमहल में कब किसको सम्मान मिला है ?
मेरे मन कोरे कागज पर छंद श्लोक कोई लिख जाता ।
बंधन वेद रिचा के हाथों अनजाने कोई बिक जाता।
अनुत्तरित पत्र का उत्तर पंक्ति पंक्ति मुखरित कर देता।
मुझे पत्र प्रेषित कर्ता का नाम धाम गुमनाम मिला है।
सरे आम नीलाम जो कर दे वह मुझको यजमान मिला है।
मेरा मन वैभव शाली है किन्तु अर्थ उपलब्ध नहीं है।
हृदय धुएँ की भांति सुलगता इसीलिए निस्तब्ध नहीं है।
मेरी प्रीत न तौल सकोगे जीत अजीत न बोल सकोगे ।
मुझे अभावों की सरिता में भावो का स्नान मिला है।

दम्भो वाले राजमहल में कब किसको सम्मान मिला है ?
शशि जैसी चमकुँगी चाहे रजनी तम की चादर बुन दे।
गीतों की शब्दावली मेरी सतरंगी चुनरिया रंग दे।
चाहे महा महोत्सव हो या चारो ओर कोई उत्सव हो।
मुझको गुंजित राजपथों में निष्ठुर मौन शमशान मिला है।
सरे आम नीलाम जो कर दे वह मुझको यजमान मिला है।

(पूनम पांडेय)

रील लाइफ से रियल लाइफ की ओर लौटें युवा - डॉ मान सिंह यादव

सोलह संस्कार गीतों के समापन समारोह में प्रतिभागियों ने दी प्रस्तुतियां

प्रयागराज। शिव शक्ति फाउंडेशन की ओर से आयोजित पंद्रह दिवसीय सोलह संस्कार गीतों की कार्यशाला का समापन समारोह आर्य कन्या डिग्री कॉलेज के सभागार में संपन्न हुआ। समापन समारोह में प्रतिभागियों ने प्रशिक्षक उदय चंद्र परदेशी द्वारा पिछले पंद्रह दिनों में सिखाए गए गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, चूड़ाकर्म, विद्यारंभ, कर्णवेध, यज्ञोपवीत, वेदारम्भ, केशान्त, समावर्तन, विवाह तथा अन्त्येष्टि में गाए जाने वाले गीतों की प्रस्तुतियां दिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विधायक डॉ. मान सिंह यादव रहे वहीं अध्यक्षता आर्य कन्या डिग्री कॉलेज के चेयरमैन पंकज जायसवाल ने किया। बतौर मुख्य अतिथि अपने उद्बोधन में विधायक डॉ मान सिंह यादव ने कहा कि हमारे भारतीय संस्कृति को बचाने एवं विलुप्त हो रहे संस्कार गीतों को अगली पीढ़ी को हस्तांतरित करने के लिए ऐसे आयोजन अति आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि आज पुनः युवा पीढ़ी को रील लाइफ से रीयल लाइफ की ओर लौटने की आवश्यकता है। अध्यक्षीय उद्बोधन में पंकज जायसवाल ने कहा कि जो व्यक्ति अपने जीवन में सोलह संस्कारों का पालन नहीं करता, उसका जीवन अधूरा रह जाता है। वहीं मंच संचालन कर रहे लोक संस्कृति विकास संस्थान के अध्यक्ष शरद कुमार मिश्र ने कहा कि मनुष्य की पाशविकता को परिष्कृत– मानवता में परिवर्तित करने के लिए आज के युवाओं को अपनी माटी, परिपाटी एवं सभ्यता से जुड़े रहने की अति आवश्यकता है। आयोजक अमित श्रीवास्तव एवं संयोजक हिमानी रावत ने सभी अतिथियों का अंगवस्त्रम एवं पौधा भेंटकर स्वागत किया। संस्कार गीतों के साथ वर्तिका तिवारी के प्रशिक्षण में चल रही सात दिवसीय कथक नृत्य की कार्यशाला में प्रतिभाग किए प्रतिभागियों ने दशावतार की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर डॉ रंजना त्रिपाठी, धीरज पाण्डेय, मिथलेश राही, अंशिता, श्रुति सिंह चौहान, हिमांशु रावत, राज रसिया, अंशुला सिंह, विवेक शांति विशाल, श्लोक रंजन श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

सी एम पी डिग्री कॉलेज में नवीन प्रेक्षागृह का उद्घाटन एवं आई क्यू ए सी की वार्षिक बैठक का आयोजन

प्रयागराज । सी एम पी डिग्री कॉलेज में नवनिर्मित एवं पूर्णतः सुसज्जित प्रेक्षागृह का उद्घाटन महाविद्यालय के शासी निकाय के अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार सिन्हा ने दिनांक 9 जुलाई 2024 को किया। इस अवसर पर प्रो. पंकज कुमार, डीन कॉलेज डेवलपमेंट, इलाहाबाद विश्वविद्यालय सहित प्रो हर्ष कुमार और शासी निकाय के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो अजय प्रकाश खरे ने अतिथियों का स्वागत किया और उन्हे नवनिर्मित प्रेक्षागृह में सुसज्जित आधुनिक सुविधाओं से परिचित कराया साथ ही नई कम्प्यूटर लैब और स्मार्ट क्लास रूम भी दिखाया जो नई शिक्षा नीति और बी एस सी कंप्यूटर साइंस जैसे नए कोर्सों के अनुरूप महाविद्यालय की तैयारियों को भी प्रदर्शित करता है।

इसके पश्चात आई क्यू ए सी की वार्षिक बैठक का आयोजन हुआ जिसका संचालन इसकी समन्वयक प्रो सरिता श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने पिछली बैठक के मुद्दों और संबंधित कार्यवाही एवं प्रगति की आख्या प्रस्तुत की। साथ ही नए सत्र की योजनाओं और आगामी नैक निरीक्षण के संदर्भ में महाविद्यालय की तैयारियों से परिचित कराया। इस अवसर पर आई क्यू ए सी के सदस्यों ने भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए और महाविद्यालय के गुणात्मक विकास से संबंधित विभिन्न प्रस्ताव रखे।

इसी क्रम में शासी निकाय के अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार सिन्हा ने महाविद्यालय में हो रहे विकास कार्यों को उत्कृष्ट रूप से संपादित करने के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो अजय प्रकाश खरे की सराहना की और कहा कि उन्हे विश्वास है कि महाविद्यालय प्रयागराज के ही नहीं उत्तर प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में एक चमकता हुआ सितारा बन कर उभरेगा।

प्रो. पंकज कुमार, डीन, कॉलेज डेवलपमेंट, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने भी महाविद्यालय में हो रहे गुणवत्तापूर्ण विकास कार्यों की सराहना की और शुभकामना देते हुए कहा की उनकी इच्छा है कि सी एम पी डिग्री कॉलेज शैक्षणिक जगत में इलाहाबाद विश्वविद्यालय का नेतृत्व करे।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ ऋतु रघुवंशी ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ प्रिया सोनी खरे, डॉ जितेंद्र कुमार, श्री आशुतोष मिश्रा और डॉ गोविन्द गौरव ने सक्रिय रूप से सहयोग किया। इस अवसर पर आई क्यू ए सी के सदस्यों सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

उन्नाव हादसे पर अखिलेश यादव ने पूछे सवाल तो भाजपा ने दिया करारा जवाब

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में 18 लोगों की मौत पर सियासी बयानबाजी हो रही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा, लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में 18 लोगों की मौत का कारण भाजपा सरकार की लापरवाही है। यह जांच का विषय है कि एक्सप्रेसवे पर विशेष पार्किंग जोन की व्यवस्था होते हुए भी, कोई वाहन बीच रास्ते में क्यों खड़ा हुआ था। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी के लगे रहने के बावजूद खड़े वाहन की निगरानी में चूक कैसे हुई। क्या सीसीटीवी

काम नहीं कर रहे थे। हाईवे पुलिस कहां थी, क्या नियमित पेट्रोलिंग नहीं हो रही थी। इस हादसे के बाद हाईवे एम्बुलेंस सर्विस कितनी देर में पहुंची और हताहतों के संबंध में उसकी भूमिका क्या रही। यदि गाड़ी खराब होने के कारण खड़ी थी, तो उसे टोइंग सहायता क्यों नहीं पहुंची। एक्सप्रेसवे पर प्रतिदिन करोड़ों रुपये लिए जाते हैं, वो पैसा एक्सप्रेसवे के व्यवस्थापन और प्रबंधन में न लगकर, क्या कहीं और जा रहा है। दूसरी तरफ भाजपा प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव के जेहन में नकारात्मक और घटिया राजनीति घर बनाए हुए है। चाहे कोई हादसा हो या दुर्घटना, उस पर राजनीति तलाश करना यह सपा का चरित्र है। बता दें कि लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे पर बुधवार को एक भीषण हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई और 19 लोग घायल हो गए। दिल्ली जा रही स्लीपर बस बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में हवाई पट्टी पर टैंकर से टकरा गई। हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई और 19 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

संक्षिप्त

हजरत उस्मान गनी रजि0 के अन्दर शर्म व हया बहुत थी : सुफयान निजामी

लखनऊ खौफे खुदा तमाम मुहासिन का सरचश्मा है। जो दिल खुदा पाक के डर से काँपता नही, इससे किसी नेकी की उम्मीद नही हो सकती। हजरत उस्मान गनी रजि0 खौफे खुदा से रोते रहते, मौत, कब्र का ख्याल हमेशा उनको पकड़े रहता। इन ख्यालात का इज्हार मौलाना मो0 सुफयान निजामी अध्यापक दारूल उलूम फरंगी महल ने किया। वह आज दारूल उलूम फरंगी महल में इस्लामिक सेन्टर के अर्न्तगत दस दिवसीय जलसे "शुहादा–ए–दीन–हक व इस्लाह–ए–मुआशरा" के तहत तीसरे जलसे को खिताब कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तीसरे खलीफा हजरत उस्मान रजि0 के अंदर शर्म व हया की इम्तियाज़ी सिफत थी। आप रजि0 में इस हद तक शर्म व हया थी कि खुद हुजूर करीम सल्ल0 इसका पास व लिहाज रखते थे। एक बार सहाबाक्राम रजि0 बैठे थे। नबी पाक सल्ल0 भी तशरीफ फरमा थे। जानूए मुबारक का कुछ हिस्सा खुला हुआ था। मालूम हुआ कि हजरत उस्मान रजि0 तशरीफ ला रहे हैं तो आप सल्ल0 संम्भल कर बैठ गए। लोगों ने आप सल्ल0 से इस एहतिमाम की वजह पूछी तो फरमाया कि उस्मान रजि0 की हया से फरिश्ते भी शरमाते हैं। मौलाना ने कहा कि हजरत उस्मान रजि0 सब्र के पैकर थे। मुसीबतों को निहायत सब्र व सुकून के साथ बर्दाश्त करते थे। शहादत के मौक़े पर चालीस दिन तक जिस सूझ बूझ, जब्त का इज्हार किया वह अपने आप में एक उदाहरण है।उन्होंने कहा कि इन जलसों का बुनियादी मकसद यह है कि हम सहाबाक्राम रजि0 जैसे पाक व साफ लोगों के जीवन से वाकिफ हों और अपनी जिन्दगी को इन मुबारक साँचों में ढ़ालने की कोशिश करें। जलसे का आरम्भ दारूल उलूम निजामिया फरंगी महल के उस्ताद क़ारी अब्दुल मुगीस की तिलावत कलाम पाक से हुआ। जलसे का संचालन मौलाना मो0 शमीम ने किया और जलसा का अंत मौलाना मो0 सुफयान निजामी की दुआ पर हुआ।

मायावती ने एसआईटी रिपोर्ट पर उठाया सवाल, कहा ये राजनीति से प्रेरित

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने हाथरस में हुए हादसे पर तैयार की गई एसआईटी रिपोर्ट पर गंभीर सवाल उठाया है। अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट के जरिये उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया है। उन्होंने लिखा है कि 121 लोगों की मौत सरकारी लापरवाही का जीता–जागता प्रमाण है, लेकिन एसआईटी ने जो रिपोर्ट पेश की है वो राजनीति से प्रेरित है। इसको घटना की गंभीरता के हिसाब से नहीं तैयार किया गया है। मायावती ने लिखा कि इस अति–जानलेवा घटना के मुख्य आयोजक भोले बाबा की भूमिका के सम्बंध में एसआईटी की खामोशी भी लोगों में चिन्ताओं का कारण। साथ ही, उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के बजाय उसे क्लीनचिट देने का प्रयास खासा चर्चा का विषय। सरकार जरूर ध्यान दे ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृति न हो।

एलयू गेट खोलने को लेकर एनएसयूआई मुखर, वीसी को सौंपा ज्ञापन

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ विश्वविद्यालय के दो गेट खोलने को लेकर एनएसयूआई मुखर हो गई है। प्रवेश परीक्षा का हवाला देते हुए छात्र संगठन ने कुलपति को ज्ञापन दिया है। इस दौरान छात्रों द्वारा पौधरोपण करते हुए युवाओं को जागरूक करने का कार्य भी किया। कांग्रेस की एनएसयूआई शाखा विवि इकाई अध्यक्ष सुधांशु शर्मा के नेतृत्व में लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र एकजुट हुई। परिसर में छात्रों ने पौधरोपण किया। फिर सभी कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से मिले और उनके सामने छात्रों की परेशानी बताई। छात्र संगठन ने बताया कि 11 जुलाई से विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों को लेकर प्रवेश परीक्षा आयोजित की जा रही है। ऐसे में गेट नंबर 2 और 4 बंद रखना उचित नहीं है। इससे छात्रों को आने और जाने में असुविधाओं का सामना करना पड़ सकता है। संगठन ने छात्रों से जुड़े अन्य विषयों पर भी कुलपति से वार्ता की। इस दौरान अहमद रजा खान, विशाल सिंह, प्रिंस प्रकाश, शुभम खरवार, अंकुश, अर्सलान, शोएब अली, हर्षित, तनय सहित अन्य उपस्थित रहे।

कार्डियो पलमोनरी रिसेसिटेशन पर आधारित एक जागरूकता एवं जानकारी कार्यशाला का आयोजन किया गया

लखनऊ, एजेंसी। मां चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा एवं डॉक्टर साजिद अंसारी की प्रेरणा से आज तथागत पब्लिक स्कूल, इंदिरा नगर लखनऊ के परिसर में सीपीआर अर्थात कार्डियो पलमोनरी रिसेसिटेशन पर आधारित एक जागरूकता एवं जानकारी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुंबई से आए हुए डॉक्टर खान ने बताया कि कार्डियक अरेस्ट की आपात स्थिति में यदि तत्काल चिकित्सकीय की सुविधा उपलब्ध न हो तो सीपीआर की मदद से मरीज को तात्कालिक सुविधा दी जा सकती है। सीपीआर मरीज को किस प्रकार दिया जाना चाहिए, उसकी क्या तकनीक होनी चाहिए तथा सीपीआर देने से मरीज की जान बचाने की संभावनाओं के बारे में डॉक्टर खान ने बहुत ही उपयोगी जानकारी इस कार्यशाला में प्रदान की। डॉक्टर साजिद अंसारी जो कि पूरे प्रदेश के जाने–माने हृदय रोग विशेषज्ञ हैं उन्होंने अपने संबोधन में बताया की सीपीआर का आपात चिकित्सा में कितना बड़ा योगदान होता है। इस कार्यक्रम का आयोजन मां चौरिटेबल ट्रस्ट लखनऊ के सौजन्य से किया गया। यह ट्रस्ट चिकित्सा संबंधी जागरूकता एवं जानकारी शिविर का आयोजन विभिन्न स्थानों पर प्रायः करता रहता है।

अयोध्या में हुए अरबों के जमीन घोटाले : अखिलेश

लखनऊ, एजेंसी। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि अयोध्या में अरबों रुपये के भूमि घोटाले हुए हैं। यहां पर भू–माफियाओं ने जमीनें खरीदी हैं। उन्होंने मांग की है कि जांच की जानी चाहिए। सोशल मीडिया साइट एक्स पर उन्होंने लिखा कि जैसे–जैसे अयोध्या की जमीन के सौदों का भंडाफोड़ हो रहा है उससे ये सच सामने आ रहा है कि भाजपा राज में अयोध्या के बाहर के लोगों ने मुनाफा कमाने के लिए बड़े स्तर पर जमीन की खरीद–फरोख्त की है।भाजपा सरकार द्वारा पिछले सात सालों से सर्किल रेट न बढ़ाना, स्थानीय लोगों के खिलाफ एक आर्थिक षड्यंत्र है। इसकी वजह से अरबों रुपये के भूमि घोटाले हुए हैं। यहां आस्थावानों ने नहीं बल्कि भू–माफियाओं ने जमीनें खरीदी हैं। इससे अयोध्या–फैजाबाद और आसपास के क्षेत्र में रहनेवालों को इसका कोई भी लाभ नहीं मिला।

संक्षिप्त

मोदी फैन निकले ऑस्ट्रिया के चांसलर, पहली बार देखते ही ले ली सेल्फी

मित्र देश रूस में ग्रैंड वेलकम के बाद अब बारी यूरोप में डंका बजाने की थी। भारत एकमात्र ऐसा देश है जो पश्चिम और रूस के बीच सेंटर ऑफ एट्रक्शन बनकर खड़ा हुआ है। भारत के साथ यूरोप भी संबंध बनाने के लिए कितना उत्सुक है, ये वहां से आई तस्वीरें बताने के लिए काफी है। 40 साल बाद ये पहला मौका था जब भारत का कोई प्रधानमंत्री ऑस्ट्रिया की धरती पर उतरा था। ऑस्ट्रिया में ग्रैंड वेलकम देखकर

साफ अंदाजा लगया जा सकता है कि मोदी के चर्चे दुनियाभर में हैं। तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में एक ही बार में प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोप और रूस का दौरा कर दुनिया को सीधा संकेत दे दिया है कि किसी एक पक्ष की तरफ भारत का झुकाव नहीं है। रूस के दौरे की निंदा करने वाली पश्चिमी मीडिया अब यूरोप के इस दौरे को कवर करने के लिए भी मजबूर है। ऑस्ट्रिया पहुंचने के साथ ही पीएम मोदी की आवभगत देखकर सभी हैरान रह गए। ऑस्ट्रिया के विदेश मंत्री अलेक्जेंडर शेलेनबर्ग ने हवाई अड्डे पर मोदी का स्वागत किया। ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वान डेर बेलन से मुलाकात करेंगे और ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर के साथ वार्ता करेंगे। मोदी और नेहमर भारत तथा ऑस्ट्रिया के उद्योगपतियों को संबोधित भी करेंगे। वियना में मोदी ने भारतीय प्रवासियों के साथ मुलाकात की। इसके साथ ही ऑस्ट्रिया पहुंचे पीएम मोदी से वहां के चांसलर कार्ल नेहमर ने मुलाकात की। इतना ही नहीं नेहमर ने पीएम मोदी के साथ सेल्फी भी ली। सेल्फी पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि पीएम मोदी वियना में आपका स्वागत है। ऑस्ट्रिया और भारत साझेदार हैं। मैं आपकी यात्रा के दौरान हमारे राजनीतिक और आर्थिक चर्चाओं की प्रतीक्षा कर रहा हूं।

अमेरिका की यात्रा पर जाएंगे कीर स्टार्मर, पदभार ग्रहण करने के बाद होगी ये पहली फॉरेन विजिट

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भारी चुनावी जीत के बाद पदभार ग्रहण करने के कुछ ही दिनों बाद विश्व मंच पर अपने पहले कदम के लिए इस सप्ताह वाशिंगटन के लिए रवाना हुए। 61 वर्षीय स्टार्मर पिछले शुक्रवार को ब्रिटिश नेता बनने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर अमेरिकी राजधानी में नाटो की 75वीं वर्षगांठ शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। वह पश्चिमी सैन्य गठबंधन और रूसी आक्रामकता के खिलाफ यूक्रेन की लड़ाई के लिए ब्रिटेन के स्थायी समर्थन की पुष्टि करेंगे। यह यात्रा स्टार्मर के सत्ता में पहले दो सप्ताहों में अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति की हलचल को जन्म देती है, साथ ही ब्रिटेन अगले सप्ताह एक यूरोपीय नेताओं के सम्मेलन की मेजबानी भी कर रहा है। विदेश नीति

विशेषज्ञ जेम्स स्ट्रॉन्ग ने एएफपी को बताया। ब्रिटेन की पिछली कंजर्वेटिव सरकार यूक्रेन की सबसे कट्टर सहयोगियों में से एक थी, जो रूस के आक्रमण को विफल करने में मदद करने के लिए धन, हथियार और सैन्य प्रशिक्षण प्रदान करती थी। स्टार्मर ने लेबर के तहत कीव के लिए निरंतर समर्थन का वादा किया है, और उम्मीद है कि वह नाटो बैठक में यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की को व्यक्तिगत रूप से उस संदेश की पुष्टि करेंगे। स्टार्मर के रक्षा सचिव जॉन हेले पिछले गुरुवार के चुनाव के बाद से पहले ही यूक्रेन का दौरा कर चुके हैं, और विदेश सचिव डेविड लैमी यूरोपीय नाटो सदस्यों का दौरा कर रहे हैं। लेबर गठबंधन के प्रति प्रतिबद्ध है और रक्षा खर्च को जीडीपी के 2.5 प्रतिशत तक बढ़ाने के कंजर्वेटिवों के वादे की बराबरी करना चाहती है, जो नाटो के दो प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर है। लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी के लेक्चरर स्ट्रॉन्ग ने कहा, ष्हम श्हमेशा की तरह कारोबारश के बारे में बहुत सारी बातचीत की उम्मीद कर सकते हैं। स्टार्मर मुख्य विदेश नीति के मुद्दों पर निरंतरता पर जोर देंगे, वह उन सहयोगियों के साथ संबंधों में रीसेट का संकेत देने के लिए भी उत्सुक होंगे जो ब्रेक्सिट के कारण खराब हो गए थे।

स्कूल पर इलराइली हवाई हमले में 19 लोगों की मौत : फलस्तीनी अधिकारी

फलस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि दक्षिणी गाजा में एक स्कूल पर इजराइली हवाई हमले में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। इस स्कूल

में विस्थापित लोगों ने शरण ली हुई थी। स्वास्थ्य मंत्रालय और स्थानीय अस्पताल के प्रवक्ता ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की है और कहा है कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है, क्योंकि अधिक घायलों को लाया जा रहा है। इजराइली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

भारत की राय मेरे लिए बहुत अहम, पीएम मोदी से मुलाकात के बाद ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर ने दिया बड़ा बयान

ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर ने कहा कि अपनी ऑस्ट्रिया यात्रा से पहले, पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति से मुलाकात की। शांति प्रगति के संबंध में रूस के इरादों के बारे में प्रधान मंत्री के व्यक्तिगत मूल्यांकन के बारे में सुनना मेरे लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण था। हमारा साझा उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुरूप एक व्यापक, न्यायसंगत और स्थायी शांति प्राप्त करना है। कल मेरी कैबिनेट ने इस संदर्भ में संभावित दृष्टिकोण और मुद्दों के बारे में चार्ल्स मिशेल से टेलीफोन पर बात की थी जो विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, वह एक स्वतंत्र और समृद्ध यूक्रेन के लिए यूरोपीय संघ का समर्थन है। हम एक ओर तो यूरोपीय संघ की नीति का समर्थन कर रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर हमने 250 मिलियन यूरो भी प्रदान किए हैं द्विपक्षीय सहायता में मेरे लिए, यह एक महत्वपूर्ण संकेत था कि ब्रिक्स के संस्थापक सदस्य के रूप में भारत ने स्विस शांति शिखर सम्मेलन में भाग लिया। आज, हम और भी मजबूत प्रतिबद्धता और पुनर्जीवित करने की संभावनाओं के बारे में बात कर रहे हैं। शांति प्रक्रिया। पीएम मोदी और मैंने तथाकथित वैश्विक दक्षिण में भारत की अद्वितीय स्थिति पर चर्चा की। भारत एक महत्वपूर्ण, प्रभावशाली एवं श्रेयस्कर देश है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है. इसलिए, जब शांति प्रक्रिया और भविष्य के शांति शिखर सम्मेलन की बात आती है, तो भारत की भूमिका, विशेष रूप से ऑस्ट्रिया

के लिए, अधिक महत्वपूर्ण है। एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में, ऑस्ट्रिया बातचीत के लिए एक स्थल के रूप में उपलब्ध होगा, एक तटस्थ देश के रूप में अपनी अनूठी स्थिति का उपयोग करते हुए – यूरोपीय संघ का सदस्य लेकिन नाटो का सदस्य नहीं। ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर ने कहा कि पिछली रात और आज सुबह, हमने यूक्रेन के खिलाफ रूसी आक्रामकता के युद्ध के बारे में बहुत गहन बातचीत की। मेरे लिए, ऑस्ट्रिया के संघीय चांसलर के रूप में भारत के आकलन को जानना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है और इसे समझने और भारत को यूरोपीय चिंताओं और चिंताओं से परिचित कराने के लिए, मध्य पूर्व में संघर्ष एक प्रमुख विषय था और इस चुनौतीपूर्ण भू–राजनीतिक स्थिति के अलावा, हमने अपने सहयोग के सकारात्मक पहलुओं का भी उल्लेख किया। ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रिया के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। यह विश्वास का रिश्ता है जो 1950 के दशक में शुरू हुआ था। भारत ने ऑस्ट्रिया की मदद की और 1955 में बातचीत सकारात्मक निष्कर्ष पर पहुंची।'' जो चीज़ भारत और ऑस्ट्रिया को एकजुट करती है वह भू–राजनीतिक स्थिति के विकास पर चिंता है।

पूर्व पीएम इमरान खान की परेशानी बढ़ी, अदालत ने दंगा मामले में अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। अब यहां कि एक आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) ने खान की नौ मई को भड़की हिंसा के तीन मामलों में अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख खान पर पिछले साल नौ मई को लाहौर कॉर्प्स कमांडर हाउस जिसे जिन्ना हाउस, अस्करी टॉवर और शादमान पुलिस स्टेशन के नाम से जाना जाता है, पर हमलों के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। दरअसल, उनके समर्थकों ने पिछले साल मई में कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद कई महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला किया था।

अमेरिका के इस हमले से की तुलना

एटीसी लाहौर के न्यायाधीश

खालिद अरशद ने खान को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया और तीन मामलों में उनकी याचिकाओं को खारिज कर दिया। अभियोजन पक्ष ने नौ मई की हिंसा की तुलना 2021 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों द्वारा किए गए हमलों से की।

अभियोजन पक्ष ने कहा कि पुलिस को तीनों मामलों की जांच पूरी करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री को हिरासत में लिया जाना जरूरी है।

200 से अधिक केस दर्ज

बता दें, क्रिकेटर से नेता बने 71 वर्षीय इमरान खान के खिलाफ 200 से अधिक मामले दर्ज हैं और वह पिछले साल अगस्त से रावलपिंडी की अदियाला जेल में हैं।

आज आएगा पूरा फैसला

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, न्यायाधीश अरशद ने शाम सात बजे एक आदेश सुनाया, जिसे उन्होंने अभियोजन और याचिकाकर्ता के वकीलों की अंतिम दलीलें सुनने के बाद छह जुलाई को सुरक्षित रख लिया था। खान की कानूनी टीम के अदालत में मौजूद नहीं होने के कारण न्यायाधीश ने फैसला किया कि अदालत एक संक्षिप्त आदेश सुनाएगी। अदालत ने कहा कि विस्तृत फैसला बुधवार को जारी किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, जेल में बंद खान भी वीडियो लिंक के जरिए अदालत में उपस्थित नहीं हो सके। दरअसल, इंटरनेट में खराबी होने के कारण खान अदालत से नदारद रहे। साजिश और उकसाने के आरोपों को खारिज करते हुए बैरिस्टर सलमान सफदर ने दलील दी थी कि यह साबित करने के लिए कोई गवाह नहीं है कि खान ने हिंसा भड़काई। साथ ही सवाल किया कि खान नौ मई को हिरासत में लेने और 11 मई को रिहा होने की साजिश कैसे रच सकते थे। उन्होंने कहा कि खान ने भी विरोध–प्रदर्शनों की निंदा की और अपने समर्थकों से हिंसा से दूर रहने का आग्रह किया। विशेष अभियोजक राणा अब्दुल जब्बार ने कहा कि इस्लामाबाद की अदालत के लिए रवाना होने से पहले खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया गया था, जिसमें उसने श्हकीकी आजादीश के लिए लड़ने का दावा किया था।

सिंगापुर में दो भारतवंशियों को जेल की सजा

50 कंपनियों के जरिए अमेरिकी लोगों से ठगे थे लाखों डॉलर

दो भारतीय मूल के सिंगापुरी नागरिकों को ठगी के आरोप में जेल की सजा सुनाई गई। दोनों ने लगभग 50 कंपनियों के जरिए बैंक खातों के जरिए पैसे लूटे। इनमें से दो कंपनियों के जरिए चीन और यूएई से भी लेनदेन किया था। पिछले चार–पांच सालों से ये लोग कंपनियों के नाम पर लोगों से पैसे ठग रहे थे। 34 वर्षीय ईशान शर्मा और 36 वर्षीय कंधीबन लेचुमननसामी को अमेरिका में पीड़ितों को ठगने के आरोप में जेल की सजा सुनाई गई। ईशान को चार सप्ताह की सजा और कंधीबन को एक सप्ताह की जेल की सजा सुनाई गई। दोनों ही कंपनी अधिनियम के तहत दो आरोपों में दोषी पाए गए। आरोप था कि दोनों ने लगभग 50 कंपनियों के जरिए बैंक खातों से पैसे प्राप्त किए थे, जिनमें से दो कंपनियों ने चीन और यूएई से भी लेनदेन किया था। ईशान ने अपने दोस्त कंधीबन लेचुमननसामी को उचित परिश्रम न करने के लिए उकसाया था, जबकि वह दोनों फर्मों में निदेशक था। कंधीबन ने कंपनियों के मामलों पर कोई निगरानी रखने में विफल रहने के बाद अपने को दोषी स्वीकार किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अदालती दस्तावेजों में यह नहीं बताया गया है कि अपराध कैसे सामने आए। वहीं उप लोक अभियोजक मैथ्यू चू ने

अदालत में कहा कि इस सब में मास्टर माइंड ईशान था। उन्होंने कहा कि अपराधी ने उन दो कंपनियों के जरिए घपला कर कुल 12,000 सिंगापुरी डॉलर कमाए। 2019 और 2020 के बीच अपराधों के समय ईशान एक चार्टर्ड अकाउंटेंट थे। 2017 में, उन्हें पता चला कि कंधीबन बेरोजगार थे और उन्होंने वृद्ध व्यक्ति को कार्मिक सर्किल नामक एक फर्म में 500 सिंगापुरी डॉलर के मासिक वेतन पर नौकरी की पेशकश की। कंधीबन को निगमित कंपनियों के निदेशक रखा जाना था। वह इस सौदे के लिए सहमत हो गए। डीपीपी चू ने कहारू ष्कंधीबन समझ रहे थे कि उन्हें एक श्मूक निदेशकश के रूप में नियुक्त किया गया था। उनका कंपनियों के संचालन और गतिविधियों से कोई लेना–देना नहीं था। ईशान के साथ अपनी व्यवस्था के कारण, कंधीबन 2019 और 2020 के बीच 50 से अधिक कंपनियों के सूचीबद्ध निदेशक बन गए। फिर जून 2019 से कुछ समय पहले आशीष नंदा नामक एक व्यक्ति ने ईशान को भारतीय नागरिक राहुल बत्रा से मिलवाया। आशीष ने ईशान को बताया कि राहुल सिंगापुर में एक कंपनी बनाना चाहता है। इसके बाद ईशान ने क्वाट्र्ज रिसोर्सेज के निगमन के लिए आगे बढ़ने से पहले राहुल से दो बार फोन पर संपर्क किया। अभियोक्ता ने कहा, ष्क्वाट्र्ज रिसोर्सेज के निगमन के बाद जून 2019 में ईशान और कंधीबन ने राहुल से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। जहां राहुल ने ईशान को दी गई सेवाओं और क्वाट्र्ज रिसोर्सेज के कॉर्पोरेट खाते खोलने के लिए नकद में 6,000 सिंगापुरी डॉलर का भुगतान किया।'' इसके बाद कंधीबन ने क्वाट्र्ज रिसोर्सेज के नामित निदेशक बनने के लिए राहुल के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते में एक खंड में कहा गया था कि कंधीबन को फर्म के प्रबंधन और संचालन में शामिल नहीं होना चाहिए। क्वाट्र्ज रिसोर्सेज को 7 जून, 2019 को शामिल किया गया था, और ईशान के घर को इसके पंजीकृत कार्यालय के पते के रूप में दर्ज किया गया था। वहीं कंधीबन और राहुल को इसके निदेशक के रूप में जबकि ईशान को इसके सचिव के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। उस महीने के अंत में, क्वाट्र्ज रिसोर्सेज के नाम से तीन कॉर्पोरेट बैंक खाते खोले गए, जिसमें राहुल उनके एकमात्र हस्ताक्षरकर्ता थे। डीपीपी ने कहा कि कंधीबन के पास बैंक स्टेटमेंट तक पहुंच नहीं थी, उसने स्टेटमेंट का अनुरोध नहीं किया और खातों के माध्यम से किए गए लेन–देन की समीक्षा भी नहीं की। क्वाट्र्ज रिसोर्सेज के दो बैंक खातों में बाद में पांच घोटाले के पीड़ितों से 583,000 सिंगापुरी से अधिक प्राप्त हुए। ईशान और कंधीबन ने किओरा वर्ल्डवाइड से जुड़े इसी तरह के कई अपराध किए। जिसे 3 नवंबर, 2019 को शामिल किया गया था। इस मामले में अदालत बताया गया कि नवंबर 2019 से कुछ समय पहले, आशीष ने ईशान को एक अन्य भारतीय नागरिक वधावन सुचित से मिलवाया। ईशान ने वधावन से व्यक्तिगत रूप से नवंबर 2019 में किओरा वर्ल्डवाइड के शामिल होने के बाद ही मुलाकात की। वधावन ने उन्हें सेवाओं सहित अन्य मदों के लिए नकद में 6,000 सिंगापुर डॉलर का भुगतान किया। कांधीबन और वधावन को किओरा वर्ल्डवाइड के निदेशक के रूप में रखा गया। जबकि ईशान को इसके सचिव के रूप में रखा गया। किओरा वर्ल्डवाइड के दो बैंक खातों में बाद में तीन घोटाले के पीड़ितों से लगभग 480,000 अमेरिकी डॉलर प्राप्त हुए। किओरा वर्ल्डवाइड और क्वाट्र्ज रिसोर्सेज के बैंक खातों में प्राप्त धन को चीन और संयुक्त अरब अमीरात सहित देशों में अन्य कंपनियों के खातों में भेज दिया गया। घोटाले की आय वापस नहीं मिली।

पीएम मोदी के स्वागत में ऑस्ट्रियाई कलाकारों ने गाया वंदे मातरम, प्रधानमंत्री ने एक्स पर किया साझा

वियना। रूस के दो दिवसीय दौरे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब अपने एक दिवसीय दौरे के लिए ऑस्ट्रिया पहुंच गए। एयरपोर्ट पर ऑस्ट्रिया के विदेश मंत्री एलेक्जेंडर शालेनबर्ग ने पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया। एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होटल रिट्ज–कार्लटन पहुंचे। वहां ऑस्ट्रियाई कलाकारों ने उनका स्वागत करते हुए श्वंदे मातरमश गाया। पीएम मोदी के सामने वंदे मातरम गाने वाले कलाकारों ने अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने इसे एक अभूतपूर्व अनुभव और एक बड़ा सम्मान बताया। पीएम मोदी ने भी इस प्रदर्शन का वीडियो साझा किया।

कलाकारों ने साझा किया अनुभव

पीएम मोदी के सामने वंदे मातरम गाने वाले ऑस्ट्रियाई कलाकार इब्राहिम ने इस खास मौके पर अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों से ऑर्केस्ट्रा इस प्रदर्शन की तैयारी कर रहा था। यह ऑस्ट्रिया और ऑस्क्रेट्रा के लिए सम्मान

की बात है। मीडिया से बात करते हुए इब्राहिम ने कहा, ''एक अभूतपूर्व अनुभव और हमारे लिए एक बड़ा सम्मान था। मैंने काफी तैयारी की। पिछले कुछ दिनों से हम ऑस्केस्ट्रा के साथ तैयारी कर रहे थे। घर पर भी, दरअसल, मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देना था। यह ऑस्ट्रिया के लिए, हमारे लिए और ऑस्केस्ट्रा के लिए बड़ा अवसर था। पीएम मोदी के साथ बातचीत पर उन्होंने कहा, यह अद्भूत था। आप देख सकते हैं कि उन्हें वास्तव में लोगों की फिक्र है। मैंने उस भावना को महसूस किया।''

विजय उपाध्याय ने किया ऑर्केस्ट्रा का नेतृत्व

ऑर्केस्ट्रा का नेतृत्व करने वाले विजय उपाध्याय ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश के लखनऊ के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि इस ऑर्केस्ट्रा में कुल 50 लोग शामिल थे। विजय उपाध्याय ने कहा, ''मैं ऑस्ट्रिया के इस कॉलेज में आया और अब मैं वियना यूनिवर्सिटी के संगीत विभाग का निर्देशन करता हूं।'

रूस ने रक्षा क्षेत्र के लिए भारत में संयुक्त उद्यम स्थापित करने पर सहमति जताई

रूस ने मंगलवार को रूसी सैन्य साजो–सामान के कल–पुर्जों की आपूर्ति में देरी पर नयी दिल्ली की चिंताओं को दूर करने के संदर्भ में भारत में संयुक्त उत्पादन इकाइयां स्थापित करके पर सहमति व्यक्त की। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिखर वार्ता में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ कल–पुर्जों की आपूर्ति में देरी का मुद्दा उठाया। दोनों नेताओं ने यहां 22वें भारत–रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भारत–रूस रक्षा संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। मोदी और पुतिन के बीच वार्ता के बाद एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए क्वात्रा ने कहा, ''दोनों पक्षों में आम सहमति थी कि इसमें तेजी लाई जाएगी, जिसमें भारत में संयुक्त उद्यम स्थापित करना शामिल है, ताकि आवश्यक कल–पुर्जों की आपूर्ति में देरी की चुनौती का सार्थक तरीके से समाधान किया जा सके।'' भारतीय सशस्त्र बलों को विभिन्न रूसी सैन्य साजो–सामान के कल–पुर्जों की आपूर्ति में रूस की ओर से अत्यधिक देरी हुई है, जिससे नयी दिल्ली में चिंताएं बढ़ गई हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।